दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

फिर से एंटरटेन करने लौट रहा है मिश्रा ...8

सिद्धार्थनगर
गुरुवार, 28 मई 2026
वर्षः 13 अंक : 159 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

Hkkjr dh Hk;adj ijek.kq Nykax] ;wjsfu;e ij gqvk dM+k [ksy

भारत अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने की तैयारी में जुटा हुआ है और इसी कड़ी में ऑस्ट्रेलिया के साथ यूरेनियम सहयोग एक बार फिर चर्चा में आ गया। दरअसल दिल्ली में हुई एक बड़ी बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ कई मुद्दों पर बातचीत की। लेकिन सबसे ज्यादा जोर ऊर्जा और खासतौर पर यूरेनियम सप्लाई बढ़ाने पर रहा। विदेश मंत्री जयशंकर ने साफ कहा कि भारत अब ऑस्ट्रेलिया के साथ यूरेनियम साझेदारी को विस्तार देना चाहता है क्योंकि देश का न्यूक्लियर सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है। बैठक के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ सालों में भारत और ऑस्ट्रेलिया की रणनीतिक साझेदारी को नई रफ्तार मिली। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रीत्रियों की हालिया मुलाकात के बाद अलग–अलग मंत्रियों और विभागों के बीच लगातार बातचीत बढ़ी। व्यापार और निवेश को लेकर भी दोनों देश ईसीटीए और सीईसीए समझौतों पर आगे बढ़ रहे हैं। ऊर्जा क्षेत्र को लेकर जयशंकर ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले से ऊर्जा व्यापार जारी है। लेकिन अब इसे यूरेनियम सप्लाई तक बढ़ाने पर गंभीरता से काम हो रहा है। उन्होंने कहा हम ऊर्जा व्यापार का विस्तार यूरेनियम सप्लाई तक करना चाहते हैं। भारत के न्यूक्लियर सेक्टर में सुधार हुए हैं और आने वाले समय में परमाणु ऊर्जा का उत्पादन तेजी से बढ़ेगा। विदेश मंत्री जयशंकर ने यह भी बताया कि दोनों देशों की टीमें क्रिटिकल मिनरल्स यानी महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर लगातार चर्चा कर रही हैं। इसके अलावा रक्षा सहयोग भी तेजी से मजबूत हो रहा है। दोनों देशों के बीच नियमित सैन्य अभ्यास और रक्षा आदान प्रदान हो रहे हैं। खासतौर पर समुद्री सुरक्षा सहयोग दोनों देशों की साझेदारी का अहम हिस्सा बन चुका है। जयशंकर ने कहा कि स्पेस और खेल के क्षेत्र में बातचीत आगे बढ़ रही है। दरअसल यूरेनियम के मामले में ऑस्ट्रेलिया दुनिया का सबसे ताकतवर देश माना जाता है। वहां करीब 16.7 लाख टन यूरेनियम भंडार मौजूद हैं जो दुनिया के कुल भंडार का लगभग 28: है। ऑस्ट्रेलिया के ओलंपिक डैम, रेंजर और बेल्ली जैसे इलाके यूरेनियम के बड़े केंद्र हैं।

आगामी चुनावों में जनता भाजपा को पूरी तरह से नकार देगी: अखिलेश

समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बिजली संकट के बीच निशाना साधते हुए राज्य सरकार की कार्ययोजना पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा में अब कोई दम नहीं बचा है। एक पोस्ट में एसपी प्रमुख ने सवाल उठाया कि क्या उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा को मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की समीक्षा बैठकों में आमंत्रित किया गया था, क्योंकि दोनों मंत्री अक्सर साथ नहीं देखे जाते। यादव ने पार्टी में आंतरिक कलह की ओर इशारा करते हुए कहा कि भाजपा के विधायकों–सांसदों ने अपनी ही सरकार के खिलाफ पत्र लिखे हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री पर ऊर्जा संकट को दिल्ली की जनता द्वारा भेजे गए दूत की साजिश न बताने के लिए भी कटाक्ष किया। बिजली कटौती पर निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बिजली उप–स्टेशनों पर प्रादेशिक सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) कर्मियों को तैनात करके जनता के आक्रोश से बचने की कोशिश कर रही है।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने ईसीआई के एसआईआर को सही बताया

नई दिल्ली। बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा किए गए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की वैधता को बरकरार रखते हुए कहा कि यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की संवैधानिक अनिवार्यता को आगे बढ़ाता है। न्यायालय ने कहा कि एसआईआर का संचालन निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने व्यवस्था दी कि यह नहीं कहा जा सकता कि निर्वाचन आयोग ने एसआईआर का प्रयोग करके अपने वैधानिक अधिकारों की सीमा से बाहर जाकर काम किया है। पीठ ने कहा कि हम इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते कि विवादित प्रक्रिया केवल प्रशासनिक सुविधा के लिए अपनाई गई थी। इसके विपरीत, हम मानते हैं कि चुनावी एसआईआर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की संवैधानिक आवश्यकता को बल देता है। एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं में दावा किया गया था कि संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और उससे संबंधित नियमों के तहत निर्वाचन आयोग को इतने व्यापक स्तर पर एसआईआर कराने का अधिकार नहीं है। शीर्ष न्यायालय ने 29 जनवरी को इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। इन याचिकाओं में गैर–सरकारी संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) की याचिका भी शामिल थी। बिहार में एसआईआर अभियान का पहला चरण चलाया गया था। पिछले वर्ष 12 अगस्त को न्यायालय ने मामले में अंतिम बहस शुरू की थी और तब कहा था कि मतदाता सूची में नाम शामिल करना या हटाना निर्वाचन आयोग के संवैधानिक अधिकार क्षेत्र में आता है। निर्वाचन आयोग ने एसआईआर अभियान के तहत प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख लोगों के नाम सार्वजनिक किए थे। एसआईआर अधिसूचना के अनुसार, जिन मतदाताओं के नाम 2002 या 2003 की मतदाता सूची में नहीं थे, उन्हें उस समय सूची में शामिल किसी व्यक्ति से अपना पैतृक संबंध साबित करना था। एसआईआर प्रक्रिया का बचाव करते हुए निर्वाचन आयोग ने कहा था कि आधार और मतदाता पहचान पत्र को नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि मतदाता सूची का यह पुनरीक्षण ''राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) जैसी प्रक्रिया'' है, जिसमें निर्वाचन आयोग नागरिकता की जांच कर रहा है, जबकि यह अधिकार केंद्र सरकार के पास है।

2035 तक तैयार होगा स्वदेशी 5 th जेनरेशन स्टील्थ फाइटर? एएमसीए प्रोजेक्ट की रेस में 3 दिग्गज कंपनियां

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को महत्वाकांक्षी स्वदेशी उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) कार्यक्रम के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी) जारी किया, जो भारत की पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान परियोजना में एक महत्वपूर्ण कदम है। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, आरएफपी तीन चयनित उद्योग संघों को भेजा गया है। इनमें लार्सन एंड टुब्रो–भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड समूह, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और भारत फोर्ज–बीईएमएल संघ शामिल हैं। एएमसीए परियोजना को भारत के सबसे महत्वपूर्ण रक्षा विमानन कार्यक्रमों में से एक माना जाता है। इसका उद्देश्य भारतीय वायु सेना के लिए स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ लड़ाकू विमान विकसित करना है, जिससे उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकी में देश की आत्मनिर्भरता मजबूत हो सके। रक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष फरवरी में टाटा समूह, लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) और भारत फोर्ज को उन्नत बहुस्तरीय लड़ाकू विमान (एएमसीए) कार्यक्रम के तहत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान विकसित करने के लिए चुना था। एक महत्वपूर्ण निर्णय के रूप में, सरकारी स्वामित्व वाली हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को इस परियोजना के विकास में शामिल नहीं किया गया है।

पहले चरण में 120 विमानों का विकास किया जाएगा

सरकार ने एएमसीए प्रोटोटाइप के निर्माण और विकास के लिए 15,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। हालांकि, अधिकारियों का मानना ध्है कि पूर्ण पैमाने पर उत्पादन शुरू होने के बाद कार्यक्रम की कुल लागत में काफी वृद्धि होगी। वर्तमान योजना के अनुसार, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) एएमसीए बेड़े के प्रारंभिक चरण में लगभग 120 विमानों को शामिल करने की संभावना है। कार्यक्रम के रोडमैप में कहा गया है कि प्रोटोटाइप विकास 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके बाद, एएमसीए जेट के पहले स्क्वाड्रन के 2035 तक भारतीय वायु सेना में शामिल होने की उम्मीद है।

राजनाथ सिंह और चंद्रबाबू नायडू ने 16,000 करोड़ रुपये की एएमसीए परियोजना की आधारशिला रखी: इस माह की शुरुआत में, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने श्री सत्य साई जिले के पुट्टपर्थी क्षेत्र में एक बड़ी रक्षा अवसंरचना परियोजना की आधारशिला रखी।

सीएम विजय ने दिल्ली में पीएम मोदी से की मुलाकात

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। इससे पहले दिन में, विजय इस महीने की शुरुआत में पदभार संभालने के बाद अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के लिए नई दिल्ली पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु के मंत्री आदव अर्जुन और कई वरिष्ठ मंत्री विजय के साथ दिल्ली यात्रा पर है। हालांकि यात्रा का विस्तृत आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, सूत्रों ने बताया कि विजय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य केंद्रीय मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। सीतारमण के साथ अपनी मुलाकात में, विजय राज्य से संबंधित चल रही परियोजनाओं और प्रमुख अंतर–राज्यीय मुद्दों के लिए वित्तीय सहायता की मांग कर सकते हैं। बैठकों के दौरान, विजय राज्य की मांगों को रेखांकित करते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत कर सकते हैं,

सीबीएसई घोटाला: राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला, पूछा- लाखों बच्चों के भविष्य पर पीएम मोदी चुप क्यों? एसआईटी जांच हो!

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता ठेका पाने वाली कंपनी था, फिर भी ठेका दे दिया गया। राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन पर सीबीएसई की कक्षा 12 की परीक्षा के परिणामों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी के मामले में चुप्पी साधने का आरोप लगाया। गांधी ने ग पर लिखा कि सीबीएसई परीक्षा परिणामों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी हुई है, जिससे देशभर के लाखों बच्चे और उनके माता–पिता सदमे में हैं। और श्री मोदी? हमेशा की तरह दृ कोई जवाब नहीं, कोई जवाबदेही नहीं, कोई शर्म नहीं। इसे जानबूझकर की गई साजिश बताते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि सीबीएसई का COEMPT ने 2019 में तेलंगाना में ळसवइंतमदं नाम से इसी तरह की हेराफेरी की थी। उन्होंने कहा कि जिस कंपनी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उसने 2019 में तेलंगाना में ग्लोबरेना नाम से इसी तरह का कारनामा किया था। उन्होंने आगे कहा कि नाम बदल गया दृ लेकिन इरादा वही रहा। इतिहास सबको पता 18 लाख बच्चों का भविष्य ऐसी कंपनी के हाथों में सौंप दिया गया और किसी ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई।

कांग्रेस नेता ने अपने पोस्ट में कई सवाल भी उठाएरू

– सीबीएसई का ठेका सीओईएमपीटी को क्यों दिया गया और किसके निर्देश पर?

– ठेका देने में किन नियमों और प्रक्रियाओं की अनदेखी की गई?

– अगर सीओईएमपीटी पहले ग्लोबरेना नाम से विवादों में घिरी थी, तो सीबीएसई ने उसकी पृष्ठभूमि की जांच क्यों नहीं की?

– सीओईएमपीटी के प्रबंधन और मोदी सरकार के बीच क्या संबंध है?

काकोली घोष दस्तीदार का टीएमसी से इस्तीफा, ममता बनर्जी को लगा बड़ा झटका!

कोलकाता। ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका देते हुए टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने बुधवार को पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। बारासात से टीएमसी सांसद ने तृणमूल महिला विंग की अध्यक्ष और अन्य पदों से भी इस्तीफा दिया है। काकोली घोष दस्तीदार ने हाल में ही पार्टी नेतृत्व के प्रति सार्वजनिक रूप से असंतोष व्यक्त किया था। यह घटना बनर्जी द्वारा दस्तीदार को टीएमसी संसदीय दल के मुख्य सचेतक पद से हटाकर वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के बाद हुई। मंगलवार को इससे पहले, काकोली ने छह अन्य विधायकों के साथ कल्याणी में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की प्रशासनिक समीक्षा बैठक में भाग लिया। बारासात सांसद के अलावा, बैठक में टीएमसी के विधायक देगंगा से अनीसुर रहमान बिस्वास, स्वरूपनगर से बीना मंडल, हारोआ से मोहम्मद अब्दुल मतीन और बसीरहाट क्षेत्र के तीन अन्य विधायक भी उपस्थित थे। इससे पहले भाजपा के सांसद सौमित्र खान ने एक सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि ममता बनर्जी की अगुवाई वाली सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (ज्डब्) के लगभग 50 विधायक और 20 सांसद पार्टी नेतृत्व से बेहद नाखुश हैं। खान के मुताबिक, यदि बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व हरी झंडी दे देता है, तो ये सभी नेता तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सांसद सौमित्र खान ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर बीजेपी नेतृत्व एक बार अनुमति दे दे, तो टीएमसी एक राजनीतिक ताकत के रूप में खत्म हो जाएगी। हर कोई पार्टी छोड़ने को आमादा है।

उत्तराखंड विकसित भारत लक्ष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध: सीएम धामी

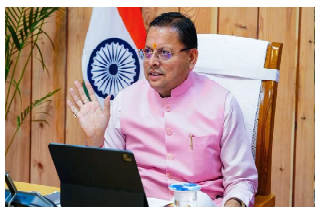

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को अल्मोड़ा में सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन और कुलपति के आवास का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ध ामी ने राष्ट्रीय लक्ष्यों के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि उत्तराखंड सतत विकास प्रयासों के माध्यम से इस लक्ष्य में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए उत्तराखंड ने इस विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया है और इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने पिछले चार वर्षों में राज्य के विकास पथ पर प्रकाश डालते हुए आर्थिक विकास और पारिस्थितिक स्थिरता दोनों पर विशेष जोर दिया।

केरल में ईडी रेड पर पिनाराई विजयन का पलटवार, बोले- राहुल गांधी जैसे को मिलेगी संतुष्टि

अपने आवासों पर ईडी की तलाशी पर केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईडी लंबे समय से मेरे घर की तलाशी लेना चाहती थी। मुझे लगता है कि इस तलाशी से कुछ लोगों को, खासकर राहुल गांधी जैसे लोगों को, बहुत संतुष्टि मिलेगी। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि पिनारयी विजयन के घर पर छापा क्यों नहीं मारा जा रहा है और उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है। भाजपा सरकार देश में विपक्षी नेताओं पर जानबूझकर हमले करती रही है। इसके खिलाफ देश भर में जोरदार विरोध प्रदर्शन हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का रुख यह है कि ईडी द्वारा अपनी पार्टी के अलावा अन्य पार्टियों के खिलाफ की गई दखलअंदाजी जारी रहनी चाहिए। इससे हमारा अंत नहीं होने वाला है। हम इसे सिर्फ एक शुरुआत मानते हैं। किसी को यह नहीं सोचना चाहिए कि ऐसी कार्रवाइयां हमें मिटा सकती हैं। यहां स्थानीय लोगों और पार्टी साथियों की भावनाएं व्यक्त की गईं। जब भी दुश्मनों ने मुझ पर हमला करने की तैयारी की, मुझे पार्टी का मजबूत समर्थन मिला। साथियों ने आज यह साबित कर दिया कि उस समर्थन में कोई कमी नहीं आई है। यही हमारी ताकत है। आइए हम सब मिलकर हर चुनौती का सामना करें। अधिकारियों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को सीएमआरएल मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन, उनके दामाद पी ए मोहम्मद रियास और कई अन्य लोगों के आवासों पर तलाशी ली। केरल भर में कुल 10 परिसरों पर छापेमारी की जा रही है, जिनमें तिरुवनंतपुरम स्थित विजयन का किराए का आवास भी शामिल है। बेकरी जंक्शन पर स्थित दो मंजिला मकान के बाहर सशस्त्र केंद्रीय सुरक्षाकर्मी पहरा दे रहे थे। विधानसभा चुनाव के बाद क्लिफ हाउस खाली करने के बाद वे इस मकान में रहने लगे थे। कोझिकोड स्थित रियास के आवास पर भी छापेमारी की जा रही है। खबरों के मुताबिक, सीएमआरएल के वरिष्ठ अधिकारियों के आवासों पर भी साथ–साथ तलाशी अभियान चल रहा है। छापेमारी की खबर फैलते ही पार्टी कार्यकर्ता और नेता घर के गेट के बाहर जमा होने लगे, जिसकी सुरक्षा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल कर रहे थे। राज्य सचिव एम वी गोविंदन के नेतृत्व में सीपीएम सदस्य ईडी की कार्रवाई के विरोध में घर के बाहर बैठ गए और इसे केंद्र सरकार की राजनीतिक रूप से प्रेरित कार्रवाई बताया। जैसे–जैसे छापेमारी दोपहर तक खिंचती गई, विरोध प्रदर्शन का मिजाज बदलता गया। उस समय तक एसएफआई का विरोध मार्च भी वहाँ पहुँच चुका था, जिससे माहौल और भी उग्र हो गया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय पुलिस कर्मियों पर जूते और पानी की बोतलें फेंकीं। ईडी अधिकारियों द्वारा छापेमारी पूरी करने और परिसर से निकलते समय विजयन के आवास के बाहर हिंसा भड़क उठी। समाचार चौनलों पर दिखाए गए दृश्यों के अनुसार, संदिग्ध सीपीआई (एम) कार्यकर्ता विजयन के किराए के घर के बाहर जमा हुए और छापेमारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में एडीएम एफआर सख्तः ब्लैक स्पश्वट्स पर सुरक्षा एवं अनफिट स्कूली वाहनों पर कार्रवाई करने का दिया निर्देश

कुशीनगर, 27 मई (आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव मिश्रा की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। बैठक में फाजिलनगर ओवरब्रिज एवं फ्लाई ओवर पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए एडीएम एफआर ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, एनएचएआई को तत्काल प्रभाव से आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पीडब्ल्यूडी, आरटीओ, पुलिस विभाग एवं एनएचएआई की संयुक्त टीम गठित कर क्षेत्र का ऑडिट कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। अपर जिलाधिकारी ने सहायक अभियंता, लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि जल भराव वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील मोड़ों पर तत्काल वाटर टेरेस बैरिकेडिंग लगाई जाए। जिससे दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके।

ग्रामीण पत्रकारिता दिवस पर आयोजित हुई विचार गोष्ठी, पत्रकारों की चुनौतियों पर हुआ मंथन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल की 39वीं पुण्यतिथि पर बुधवार को टाटा मोटर्स एसपी ऑटो व्हील्स गोटवा के सभागार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीण पत्रकारिता दिवस के रूप में किया गया। इस अवसर पर "वर्तमान परिवेश में पत्रकारों के समक्ष चुनौतियां" विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित हुई, जिसमें वक्ताओं ने पत्रकारिता के समक्ष मौजूद चुनौतियों और उनके समाधान पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ संगठन के संरक्षक अखिलेश दुबे, कैलाश नाथ दूबे, मंडल अध्यक्ष डॉ. बलराम त्रिपाठी तथा अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इसके बाद जनपद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बाबू बालेश्वर लाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष डॉ. बलराम त्रिपाठी ने कहा कि बाबू बालेश्वर लाल ने पत्रकारों की समस्याओं, संघर्षों और चुनौतियों को बहुत करीब से महसूस किया था। इसी उद्देश्य से उन्होंने संगठन की नींव रखी, जो आज एक वटवृक्ष के रूप में विकसित हो चुका है। उन्होंने कहा कि संगठन लगातार पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्षरत है तथा पत्रकारों से जुड़े मुद्दों पर हर स्तर पर लड़ाई लड़कर सफलता प्राप्त की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संरक्षक अखिलेश दुबे ने कहा कि समाज को आज भी पत्रकारिता से बड़ी उम्मीदें हैं। जब समाज का अंतिम व्यक्ति हर स्तर से निराश हो जाता है, तब वह पत्रकारिता और पत्रकार के माध्यम से न्याय की लड़ाई लड़ता है। उन्होंने कहा कि संघर्ष हर क्षेत्र में होता है, लेकिन जो संघर्ष करता है वही अपने सम्मान और समाज के हितों की रक्षा कर पाता है। संरक्षक कैलाश नाथ दूबे ने कहा कि संगठन जिले में लगातार पत्रकार हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जब भी पत्रकारों के मान–सम्मान और अधिकारों की बात आती है, संगठन मजबूती से उनके साथ खड़ा रहता है। उन्होंने बाबू बालेश्वर लाल के व्यक्तित्व एवं .तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम को महामंत्री विवेक मिश्र, अनिल पांडेय, तहसील सदर अध्यक्ष डॉ. अजीत मणि त्रिपाठी, तहसील अध्यक्ष हरैया राजेश सिंह विसेन, तहसील अध्यक्ष रुधौली अरुण मिश्र, जनार्दन पाण्डेय, हरिशंकर पांडेय, धनीश त्रिपाठी, दिनेश शुक्ल, राम प्रगट सिंह, अवधेश कुमार सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री पंकज त्रिपाठी ने किया।

संचालन के दौरान उन्होंने कहा कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन हमेशा पत्रकारों के मान–सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का सजग प्रहरी होता है और संगठन हर परिस्थिति में पत्रकार साथियों के सम्मान और हितों की लड़ाई मजबूती से लड़ता रहेगा। उन्होंने पत्रकारों से एकजुट होकर निष्पक्ष, निर्भीक और जनहित की पत्रकारिता को आगे बढ़ाने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर राम प्रगट सिंह, सत्य प्रकाश शुक्ल, अनिल कुमार त्रिपाठी, सत्यदेव शुक्ल, आनंद धर द्विवेदी, सूर्यनारायण उपाध्याय 'भावुक', डॉ. शैलेंद्र त्रिपाठी, के.डी. मिश्र, रवीश मिश्र, विवेक पाण्डेय, रवि उपाध्याय, सुशील दूबे, ज्ञान चंद द्विवेदी, मोहम्मद इमरान, मनोज सिंह, विनय पाठक, राधेश्याम यादव, रूबल कमलापुरी, दिनेश कुमार पटेल, कल्याणचंद चौधरी, उमाकांत शुक्ल, सत्य राम गौतम, सुनील कुमार बरनवाल, महेंद्र कुमार, सुनील उपाध्याय, अजीत पाल, विष्णु कुमार शुक्ल, राम ललित यादव, ओमप्रकाश दूबे, पी.के. सिंह, रमन शुक्ल, अनिल कुमार, बृज किशोर यादव, राम जनक यादव, विनोद कुमार, रमेश चंद्र, मोहम्मद असलम 'सादा बस्तवी', मोहित कसौधन, महेंद्र उपाध्याय, राजन चौधरी, दिनेश चंद्र, शमशेर बहादुर सिंह, आलोक कुमार, राम रतन पटेल, परवेज आलम, प्रेम कुमार सिंह, राजाराम, मुक्तेश्वर नाथ 'आजाद', राम. पाल दूबे, बी.के. लाल, श्रीकांत मिश्र, विजय पांडेय, एस.एन. द्विवेदी, बेचूलाल अग्रहरि, संतोष उपाध्याय, परशुराम वर्मा, राधेश्याम चौधरी, संतोष पांडे 'सोनू', राजेश सिंह बिसेन, सुरेंद्र कुमार सिंह, रंजीत पांडेय, नरेंद्र कुमार मिश्र, बृजेंद्र नारायण पांडेय, सविता चंद्र मिश्र, संजय उपाध्याय, उमेश कुमार दूबे सहित बहुत से पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

संस्कार भारती का सिद्धार्थ नगर इकाई का शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि ने दिलाया शपथ : पवन जायसवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। संस्कार भारती सिद्धार्थ नगर इकाई का शपथ ग्रहण समारोह हुआ संपन्न पवन कुमार जायसवाल बने जिला अध्यक्ष एवं गोविंद ओझा बने महामंत्री तथा रामशरण बने कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ गौतम अमित त्रिपाठी धीरज गुप्ता राजकमल जायसवाल प्रदीप वर्मा एवं आशीष सिंह बने जिला उपाध्यक्ष धीरेंद्र वर्मा बने सह महामंत्री मालती सोनू श्रीवास्तव अर्जुन पासवान संदीप श्रीवास्तव ने मंत्री पद की शपथ ली। मंचीय विद्या प्रमुख नितेश पांडे जी लोककला प्रमुख रुपेश मिश्रा जी .श्य कला विद्या प्रमुख संजू जायसवाल जी साहित्य कला विद्या प्रमुख पंकज सिद्धार्थ ,धरोहर कला प्रमुख डॉक्टर शरदेंदु त्रिपाठी जी एवं प्रचार प्रमुख के रूप में मनोज कुमार तथा गुंजन ने शपथ ली। मुख्य अतिथि के रूप में प्रांत महामंत्री अनिल सिंह जी श्री मानवेंद्र त्रिपाठी जी (सह मंत्री) विश्व मोहन त्रिपाठी जी (सदस्य प्रबंध कार्य कारिणी एवं कार्यक्रम संयोजक) तथा राणा प्रताप सिंह (प्रांत उपाध्यक्ष) संयुक्त रूप से रहे कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि जिला

अध्यक्ष महामंत्री आदि के द्वारा मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ कार्यक्रम के विधिवत शुरुआत नवनिर्वाचित अध्यक्ष पवन जायसवाल ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए यह बताया कि संस्कार भारती भारतीय लोक कला संस्कृति साहित्य संगीत नाट्य चित्रकला एवं भारतीय जीवन मूल्यों के संरक्षण पर कार्य करता है इसके साथ ही साथ उन्होंने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत कर किया कार्यक्रम का संचालन मंचीय कलाकला विद्या प्रमुख नितेश पांडे ने किया।सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी को मुख्य अतिथि माननीय अनिल सिंह जी ने शपथ दिलाई साथ ही उन्हें समाज में सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय भावना के प्रसार के लिए जागरूक किया। सभा के समापन के घोषणा नवनिर्वाचित महामंत्री श्री गोविंद ओझा ने सबका आभार व्यक्त करते हुए किया।

ई–रिक्शा की फौज से यातायात व्यवस्था पटरी से उतरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीरनगर। ई–रिक्शा वालों पर इनका खौफ दिखाई नहीं दे रहा है। ई–रिक्शा वालों की हठधर्मता के कारण शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित हो गई है। प्रशासन और पुलिस के प्रयासों के बावजूद, ई–रिक्शा की संख्या बढ़ती जा रही है, जिससे जाम की स्थिति और अतिक्रमण बढ़ रहा है। लोग पैदल चलने के लिए सड़क पर मजबूर हैं, जिससे हादसे बढ़ते जा रहे हैं। ई–रिक्शा की फौज से यातायात व्यवस्था पटरी से उतरी प्रशासन के लाख प्रयासों के बावजूद भी ई–रिक्शा

वालों की हठधर्मता से शहर की यातायात व्यवस्था बुरी तरह से पटरी से उतर चुकी है। पुलिस व यातायात प्रशासन लाख जतन के बाद भी व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हो रहा है। पूरे शहर में मौजूदा हजारों की संख्या में ई–रिक्शा वालों की फौज बढ़ गई है। जिससे शहर का हर बाजार गली कूंचे इनकी आमद से कराह रहे हैं। इन ई–रिक्शा वालों ने तिराहे चौराहे को अपनी जागीर बना लिया है। जहां यह झुंड के रूप में नजर आते हैं, लेकिन प्रशासन इनके सामने असहाय नजर आता है। जाम की समस्या से समाधान को लेकर ठोस पहल का इंतजार ई–रिक्शा वालों की बदौलत पूरा शहर जाम से जूझता रहता है। जिससे जनता को जाम में फंसकर अपना कीमती समय बर्बाद करना पड़ता है। अतिक्रमण ने पूरी कर दी है। अतिक्रमण रोडबेज से लेकर ठाकुरद्वारा,नगर पंचायत कार्यालय ,पोस्ट आफिस,फल मंडी, सब्जी मंडी,किराना मंडी, चौबे डिहवा, जीप स्टैंड की तरह बढ़ता जा रहा है। नगर पंचायत मेहदावल में अतिक्रमण अभियान नहीं चलाया गया। जिससे अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हो चुके हैं। दुकानदारों ने फुटपाथ को अपनी जागीर समझ लिया है। पूरी दुकान का सामान फुटपाथ पर सजाया जाता है। लोगों को पैदल चलने के लिए डामर की सड़क पर गुजरना पड़ रहा है। जिससे आए दिन हादसे बढ़ते जा रहे हैं।

सांथा ब्लॉक बना जनसेवा का केंद्र, स्वास्थ्य शिविर व विशाल भंडारे में उमड़ी भीड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। यूपी के जनपद संतकबीरनगर जेष्ठ माह के चौथे बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर सांथा ब्लॉक परिसर में सेवा, श्रद्धा और जनकल्याण का अद्भुत संगम देखने को मिला। ब्लॉक प्रमुख अरविंद जायसवाल के नेतृत्व में राजाराम समाज सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में विशाल भंडारे, निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं दवा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया तथा प्रसाद ग्रहण किया। आयोजित स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीजों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया। शिविर में डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. मंजर हुसैन, डॉ.

निकहत सलाम, डॉ. हिमांशु शुक्ल, डॉ. प्रिंस कुमार वर्मा, डॉ. शैलेश, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शिप्रा सिंह एवं डॉ. डीके शुक्ला सहित कई चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं देकर मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराया। शिविर में सैकड़ों लोगों की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रमुख अरविंद जायसवाल ने स्वयं श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंद लोगों के बीच प्रसाद वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया। उनके इस मानवीय प्रयास की क्षेत्रभर में सराहना की जा रही है। लोगों ने कहा कि धार्मिक आयोजन के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को जोड़कर उन्होंने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष नीतू सिंह का अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया गया। वहीं स्वास्थ्य शिविर में अपनी सेवाएं देने वाले चिकित्सकों को भी सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दौरान तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा परिसर गूंज उठा। ब्लॉक प्रमुख अरविंद जायसवाल ने कहा कि बड़े मंगलवार का पर्व सेवा, समर्पण और मानवता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गरीब, मजदूर एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता करना सबसे बड़ा पुण्य है और भविष्य में भी इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन महेंद्रनाथ राय ने किया। आयोजन में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, ब्लॉक कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी रही। पूरा सांथा ब्लॉक परिसर श्रद्धा, सेवा और सामाजिक एकता के रंग में रंगा नजर आया।

शमशाद आलम की तरफ से समस्त क्षेत्रवासियों को ईद–उल–अज़हा (बकरीद) की दिली मुबारकबाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीरनगर। शमशाद आलम, प्रदेश सचिव ।ऐड्ड उत्तर प्रदेश, आप सभी मेहदावल विधानसभा व संत कबीर नगर के सम्मानित क्षेत्रवासियों को ईद–उल–अज़हा यानी बकरीद के पाक मौके पर दिल की गहराइयों से मुबारकबाद देता हूँ। यह त्योहार हमें हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की कुर्बानी, सब्र और अल्लाह पर तवक्कुल का पैगाम देता है। बकरीद सिर्फ जानवर की कुर्बानी का नाम नहीं, बल्कि अपनी नस, घमंड, नफरत और बुराई की कुर्बानी का नाम है। आइए इस ईद पर हम अहद करें कि हम अपने समाज से भेदभाव, गरीबी और जुल्म को मिटाने के लिए कुर्बानी देंगे। शमशाद आलम ने कहा कि मेरी दुआ है कि अल्लाह

तआला आपकी कुर्बानियों को कबूल फरमाए, आपके घरों में खुशहाली, बरकत और अमन–चैन कायम रखे। मेहदावल की सरजमीं पर हिंदू–मुस्लिम–सिख–ईसाई सभी भाई मिलजुल कर रहें, यही हमारी तहज़ीब है और यही पैगाम ईद का है। आप सभी से गुजारिश है कि कुर्बानी के दौरान साफ–सफाई का खास ख्याल रखें। कुर्बानी की जगह सार्वजनिक न हो, खून और बाकी अवशेष को गड्ढे में दबा दें ताकि किसी की भावना आहत न हो। प्रशासन के नियमों का पालन करें और आपसी भाईचारे को मजबूत करें। गरीब, यतीम और जरूरतमंदों का खास ख्याल रखें। कुर्बानी के गोश्त का एक हिस्सा उन तक जरूर पहुँचाएँ जो इसे खरीदने की ताकत नहीं रखते। यही असल कुर्बानी है। एक बार फिर आप सभी को, आपके परिवार को, मेहदावल की आवाम को ईद–उल–अज़हा की पुरखुलूस मुबारकबाद। अल्लाह हम सबको नेक रास्ते पर चलने की तौफीक दे। आमीन।

इलाज नहीं, मौत का इंजेक्शन ? मेडिकल स्टोर पर किसान की संदिग्ध मौत

कुशीनगर। जनपद के हाटा कोतवाली थाना क्षेत्र से इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक मेडिकल स्टोर कथित तौर पर मिनी अस्पताल बन गया और इलाज के नाम पर एक किसान को हमेशा हमेशा के लिए मौत की नींद सुला दिया। आरोप है कि दस्त से पीड़ित 47 वर्षीय व्यक्ति को अस्पताल भेजने के बजाय पूरे दिन मेडिकल स्टोर पर बोतल और इंजेक्शन के सहारे रोके रखा गया। हालत बिगड़ती रही, पर इलाज चलता रहा और जब सच सामने आया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

मृतक रामकृपाल यादव हाटा क्षेत्र के रहने वाले थे और खेती–बाड़ी कर परिवार चलाते थे। शनिवार सुबह उन्हें दस्त की शिकायत हुई। परिजन भरोसे में आकर उन्हें बालेसर चौराहा स्थित विनोद पांडेय मेडिकल स्टोर ले गए। आरोप है कि वहां मौजूद कथित झोला छाप ने डॉक्टर बनकर इलाज शुरू कर दिया।इंजेक्शन लगाए गए, ग्लूकोज चढ़ाया गया और पूरे दिन मरीज को मेडिकल स्टोर पर ही ट्रीटमेंट के नाम पर रखा गया। परिजनों का कहना है कि रामकृपाल की हालत लगातार बिगड़ रही थी। परिवार बार–बार बड़े अस्पताल ले जाने की बात कहता रहा, लेकिन मेडिकल संचालक भरोसा दिलाता रहा कि सब कंट्रोल में है। उधर मरीज जिंदगी और मौत से जूझता रहा। मृतक के पुत्र उमेंद्र यादव ने पुलिस को दिए तहरीर में आरोप लगाया है कि उनके पिता की मौत इलाज के दौरान ही हो चुकी थी, लेकिन मौत को छिपाने के लिए घंटों तक इलाज का नाटक चलता रहा। जब हालत पूरी तरह बिगड़ गई और परिजनों का दबाव बढ़ा, तब आनन–फानन में एंबुलेंस बुलाकर मरीज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हाटा भेजा गया। लेकिन वहां पहुंचते ही डॉक्टरों ने जो बताया, उसने पूरे परिवार को तोड़ दिया। चिकित्सकों ने रामकृपाल यादव को मृत घोषित करते हुए कहा कि उनकी मृत्यु काफी पहले हो चुकी थी। यह सुनते ही परिजनों में चीख–पुकार मच गई।

शव लेकर परिजन मेडिकल स्टोर पहुचे ——

रामकृपाल यादव की मृत्यु के जानकारी के बाद गुस्साए परिजन सीएचसी से शव लेकर दोबारा विनोद पांडेय मेडिकल स्टोर पहुंचे, लेकिन तब तक संचालक मेडिकल स्टोर बंद कर फरार हो गया था। आरोप है कि थोड़ी देर बाद मेडिकल संचालक की तरफ से 10 से 15 लोग मौके पर पहुंचे और परिजनों के साथ मारपीट की। यहां तक आरोप यह भी है कि मृतक के शव के साथ अभद्रता की गई। घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी और तनाव का माहौल कायम हो गया।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह हालात काबू में किए। परिजनों ने मेडिकल स्टोर संचालक, कथित झोलाछाप डाक्टर और मारपीट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रशासन से सीधा सवाल—— क्या मेडिकल स्टोर अब अस्पताल बन चुके हैं? आखिर किसकी शह पर मेडिकल स्टोर पर इलाज चल रहा है? कब तक झोलाछाप डाक्टर इलाज के नाम पर खुलेआम मौत बाटते रहेगे? बिना डिग्री मरीजों को इंजेक्शन और बोतल चढ़ाने की अनुमति किसने दी? मौत के बाद भी इलाज का नाटक क्यों चलता रहा? अगर समय रहते ही रामकृपाल को अस्पताल भेजा जाता, तो क्या उनकी जिंदगी नही जान बच सकती थी? बेशक? यह घटना सिर्फ एक मौत नहीं, बल्कि जिले में फल–फूल रहे अवैध इलाज के उस खतरनाक नेटवर्क का चेहरा है, जहां मेडिकल स्टोरों के पीछे झोलाछाप क्लीनिक धड़ल्ले से चल रहे हैं और गरीबों की जिंदगी प्रयोग शाला बन चुकी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि प्रशासन इस मौत पर कार्रवाई करता है या फिर कुछ दिनों बाद मामला फाइलों में दफन हो जाएगा और जिले में मौत का यह खेल पहले की तरह चलता रहेगा।

डीएम व एसपी द्वारा थाना धर्मसिंहवा क्षेत्रान्तर्गत मुसहरा में आयोजित की गई पीस कमेटी की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार व पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा संयुक्त रुप से आगामी पर्व बकरीद के .ष्टिगत आज जनपद के थाना धर्मसिंहवा क्षेत्रान्तर्गत मुसहरा गाँव में पीस कमेटी की मीटिंग की गई, जिसमें गाँव के संभ्रांत व्यक्ति/ग्राम प्रधान व अन्य काफी संख्या में लोगों ने पीस कमेटी की मीटिंग में भाग लिया। शान्ति समिति की बैठक के दौरान डीएम व एसपी द्वारा लोगों से शांति व भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की गई तथा त्यौहार के दौरान गड़बड़ी पैदा करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही हेतु सख्त हिदायत दिया गया। गोष्ठी के दौरान उपस्थित ग्रामीणों द्वारा त्योहार को शांति एवं भाईचारे के माहौल में सकुशल संपन्न करने हेतु आश्वस्त किया गया। इस अवसर पर अधिकारीद्वय द्वारा पैदल गश्त करते हुए उपस्थित क्षेत्र वासियों/ग्रामीणों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था में किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मेहदावल अरुण कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी मेहदावल सर्वदमन सिंह, सहित संबंधित अधिकारी/कर्मचारी, सम्मानित ग्रामवासी आदि उपस्थित रहे।

200 से अधिक परिवारों की डिजिटल फीडिंग पूरी करने पर प्रगणक सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

उस्का बाजार। जनगणना अभियान के अंतर्गत नगर पंचायत क्षेत्र उस्का बाजार में सबसे अधिक फीडिंग करने वाले प्रगणक सच्चिदानंद गिरी को बुधवार को सम्मानित किया गया। सम्मानित करने के बाद अधिशासी अधिकारी अभिनव श्रीवास्तव ने कहा कि जनगणना कार्य में तैनात प्रगणक गिरी ने अपने ब्लॉक के 200 से अधिक परिवारों का मकान सूचीकरण और डिजिटल डेटा फीडिंग का अधिकांश कार्य पूरा कर लिया है। इनके सम्मान से अन्य प्रगणकों को तेज कार्य करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। कहा कि जनगणना राष्ट्र के विकास और आगामी नीतियों को तय करने का सबसे बड़ा आधार है। इसमें किसी भी प्रकार की देरी या त्रुटि पूरी योजना को प्रभावित करती है। सभी प्रगणकों का आह्वान किया कि वे सभी पूर्ण मनोयोग से कार्य कर पूर्ण करें। इस दौरान संबंधित क्षेत्र के सुपरवाइजर अभय श्रीवास्तव, अभिषेक मिश्रा, बालजीत कुमार, वंदना पांडेय, बृजेश्वरी देवी, इंद्रजीत, अजीजुर्रहमान आदि उपस्थित रहे।

साइबर जागरूकता अभियान के तहत थाना लोटन पुलिस ने ग्रामीणों को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। थाना लोटन पुलिस द्वारा साइबर जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को ठोठरी बाजार में ग्रामीणों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान लोगों को वर्तमान समय में बढ़ रहे ऑनलाइन ठगी, साइबर फ्रॉड तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक एवं ट्विटर–एक्स पर आपत्तिजनक वीडियो, अवैध कमेंट और व्यक्तिगत जानकारियों के दुरुपयोग से होने वाले अपराधों

के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के निर्देश पर चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान के निर्देशन में थानाध्यक्ष हरिओम कुशवाहा के नेतृत्व में साइबर सेल टीम ने कस्बा लोटन बाजार में लोगों को जागरूक किया। अभियान के दौरान साइबर टीम ने लोगों को बताया कि किसी भी संदिग्ध ईमेल, कॉल या मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें और न ही अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करें। जरूरत पड़ने पर संबंधित संस्था की आधिकारिक वेबसाइट से ही संपर्क करें। साथ ही अत्यधिक आकर्षक ऑफर वाले विज्ञापनों एवं सोशल मीडिया पोस्ट से सावधान रहने की सलाह दी गई। पुलिस टीम ने लोगों को अपने मोबाइल और अन्य उपकरणों को लॉक, पिन या बायोमेट्रिक सुरक्षा से सुरक्षित रखने, सभी ऑनलाइन खातों के लिए अलग–अलग पासवर्ड इस्तेमाल करने तथा अज्ञात कॉल या ईमेल पर बैंकिंग और व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने के लिए जागरूक किया। इसके अलावा अज्ञात स्रोतों से आए लिंक और अटैचमेंट खोलने से बचने, एंटी–वायरस सॉफ्टवेयर अपडेट रखने तथा सुरक्षित वेबसाइटों से ही ऑनलाइन खरीदारी करने की जानकारी दी गई। साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 एवं एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान साइबर टीम के सदस्य उपनिरीक्षक रविंद्र यादव एवं महिला कांस्टेबल पूजा वर्मा प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

बाइक और ई–रिक्शा की भिड़ंत में युवक की मौत, दो गंभीर घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र के रमवापुर नानकार में बुधवार को बाइक और ई–रिक्शा के बीच हुई भीषण भिड़ंत में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार बाइक सवार तेज रफ्तार में जा रहा था, तभी रमवापुर नानकार के पास सामने से आ रहे ई–रिक्शा से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और बाइक सवार युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान कृष्णा पुत्र घनश्याम हरिजन निवासी ग्राम करहिया, उम्र लगभग 35 वर्ष के रूप में हुई है। वहीं हादसे में घायल दो अन्य लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही शोहरतगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना काफी तेज रफ्तार के कारण हुई। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

शोहरतगढ़ पुलिस ने पाक्सो व धर्म परिवर्तन मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ पुलिस ने बुधवार

को पाक्सो एक्ट एवं धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम से जुड़े मामले में फरार चल रहे एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। एसपी डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह द्वारा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना शोहरतगढ़ पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 083/2026 धारा 191(2), 115(2), 352, 351(3), 110, 137(2), 87, 64(2) बीएनएस, 3/4 पाक्सो एक्ट एवं 3/5(1) धर्म सम्परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम से संबंधित वांछित अभियुक्त इम्तियाज उर्फ राज पुत्र मोहम्मद रशीद निवासी वार्ड नंबर 11 रघुनाथ नगर, थाना व कस्बा शोहरतगढ़ को पुलिस टीम ने डुहिया नाला पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की उम्र लगभग 22 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस ने अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सन्तोष यादव, हेड कांस्टेबल प्रभाकर यादव एवं हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार यादव शामिल रहे।

चौथे बड़े मंगलवार पर रुंगटा साड़ीज प्रतिष्ठान में गूंजे जयकारे, हुआ विशाल भंडारा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ज्येष्ठ माह के चौथे बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर नगर पंचायत शोहरतगढ़ स्थित भारत माता चौक के पास रुंगटा साड़ीज प्रतिष्ठान पर भक्ति, श्रद्धा और सेवा का भव्य आयोजन किया गया। पूरे दिन चले धार्मिक कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और वातावरण "जय श्रीराम" तथा "बजरंगबली की जय" के जयघोष से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अंजनी पुत्र संकटमोचन हनुमान जी के पूजन–अर्चन से हुआ। प्रतिष्ठान के संचालक गोपी रुंगटा एवं श्याम रुंगटा ने विधि–विधान के साथ लाल पुष्प, सिंदूर, फल, मेवा एवं चोला अर्पित कर परिवार, समाज एवं देश की सुख–समृद्धि की कामना की। इसके बाद सुंदरकांड पाठ, भजन–कीर्तन एवं हनुमान चालीसा का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति रस का आनंद लिया। पूरे दिन श्रद्धालुओं के लिए पानी एवं शरबत की व्यवस्था की गई। शाम को आयोजित विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं को छोला–चावल का प्रसाद वितरित किया गया। भंडारे में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। पुजारी अवधेश पाण्डेय ने कहा कि संकटमोचन हनुमान जी की पूजा–अर्चना एवं हनुमान चालीसा का नियमित पाठ करने से जीवन में सुख–शांति बनी रहती है तथा संकटों एवं आकस्मिक दुर्घटनाओं से रक्षा होती है। इस अवसर पर शारदा सुल्तानिया, गोपी रुंगटा, श्याम रुंगटा, राजेंद्र उर्फ नीलू रुंगटा, अमिरता रुंगटा, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सूर्य प्रकाश पाण्डेय, घनश्याम गुप्ता, अजय चौधरी, सोनू सिंह, बच्चा भइया, नरेंद्र कौशल, दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी, शिवप्रसाद वर्मा, उमाशंकर वर्मा, सतेन्द्र कसौधन, विपिन कुमार त्रिपाठी, ज्योति, गरिमा, अंकिता, महिमा, आशीष कौशल, अमित कसौधन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत, गांव में मचा कोहराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जोगिया कोतवाली क्षेत्र के हरैया गांव के टोला तरकुलहा में मंगलवार को मकान निर्माण कार्य के दौरान करंट की चपेट में आने से एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार हरैया गांव निवासी रामदेव लोधी (42) पुत्र विक्रम लोधी मजदूरी का कार्य करता था। मंगलवार की दोपहर वह गांव में निर्माणाधीन मकान पर सरिया उठा रहा था। इसी दौरान सरिया अचानक ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार के संपर्क में आ गया, जिससे उसे तेज करंट लग गया। करंट लगते ही रामदेव गंभीर रूप से झुलसकर मौके पर गिर पड़ा। घटना देख वहां मौजूद अन्य मजदूरों और ग्रामीणों में अफरा–तफरी मच गई। लोगों ने तत्काल सरिया हटाकर उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही जोगिया कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मजदूर की मौत से गांव में शोक की लहर है तथा परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती का शव फंदे से लटका मिला

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नगर के सरोजनी नगर मोहल्ले में सोमवार की सुबह एक युवती का शव कमरे में फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सरोजनी नगर मोहल्ला निवासी संगीता (18) पुत्री राजेंद्र उर्फ कल्लू घर में थी। बताया जा रहा है कि उसकी मां खेत पर गई थी। जब वह वापस घर पहुंची तो देखा कि संगीता का शव कमरे में दुपट्टे के सहारे फंदे से लटक रहा था। यह दृश्य देखकर परिजनों में चीख–पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। बाद में किसी ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंचे सदर कोतवाल मिथिलेश कुमार राय ने मौके का निरीक्षण किया और शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में एएसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जोगिया ब्लॉक के ग्राम सेमरा खुर्द में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन हुआ संपन्न टिंकू भट्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के विकास खंड जोगिया उदयपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत तरिया बाजार के टोला सेमरा खुर्द में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन के द्वारा किया गया जिसमें सरकारी और पटखौली का कार्यक्रम शुरू किया गया जिसमें पटखौली ने सरकारी को हराकर विजेता बने वहीं खुटवा की टीम ने और टडिया बाजार की टीम ने मनोज कुमार संपादक ने टॉस उछाल कर बैटिंग के लिए खुटवा को मिला फील्डिंग टडिया बाजार की टीम ने दोनों लोगों जम कर क्रिकेट खेला और क्रिकेट टूर्नामेंट कई दिनों तक चलेगा, जिसमें हरीश चंद्र भट्ट, टिंकू भट्ट, मनोज कुमार संपादक और सरिता पाण्डेय पत्रकार, अब्दुल रशीद हाशमी पत्रकार, आदि कई लोग मौजूद रहे।

टडिया बाजार के ग्राम प्रधान ककरही के पास गाय बचाने में हुए चोटिल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के विकासखंड जोगिया उदयपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत दरिया बाजार के ग्राम प्रधान अनिल कुमार जायसवाल ककराही मोड़ के पास गाय बचाने के चक्कर में गिरकर काफी चोट लग गई जिसे गोरखपुर ले जाकर इलाज कराया गया और डॉक्टर ने उन्हें एक माह के लिए रेस्ट करने के लिए कहा गया है और उनकी सूचर स्वास्थ्य की देखभाल उनके आवास पर किया जा रहा है बहुत से शुभचिंतक उनकी बात को देखकर सुनकर उनके नौकर मुख्यालय घर पर पहुंच रहे हैं और हाल–चाल ले रहे हैं वहीं उन्हीं ग्राम पंचायत के मनोज कुमार संपादक उनके घर पर जाकर उनका हाल–चाल लिया और उनके स्वास्थ्य ठीक होने की ईश्वर से। मंगल कामना किया। टडिया बाजार के ग्राम पेड़ारी खुर्द के कोटेदार राधेश्याम और उनके साथी भी उनको देखने के लिए जिला मुख्यालय कि उनके आवास पर पहुंचकर हाल–चाल लिया और जल्द से जल्द उनके स्वास्थ्य ठीक होने की मंगल कामना भी किया।

कार्यालय : ग्राम पंचायत- मसिना खास, वि.ख.- मिठवल, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **मसिना खास** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाडू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 07/06/2026 को 10 बजे तक आपूर्ति हेतू निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **मसिना खास** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 07/06/2026 को अपराहन 04 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त** :– 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **मसिना खास** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **मसिना खास** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

आयशा खातून
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत-मसिना खास
वि.ख. - मिठवल

अनुपम पाण्डेय
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-मसिना खास
वि.ख. - मिठवल

कार्यालय : ग्राम पंचायत- बनगडोरी, वि.ख.- मिठवल, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **बनगडोरी** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाडू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 07/06/2026 को 10 बजे तक आपूर्ति हेतू निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **बनगडोरी** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 07/06/2026 को अपराहन 03 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त** :– 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **बनगडोरी** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **बनगडोरी** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

धर्मेन्द्र कुमार
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत-बनगडोरी
वि.ख. - मिठवल

अनुपम पाण्डेय
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-बनगडोरी
वि.ख. - मिठवल

सम्पादकीय

क्रीमी लेयर को अलग करने की पहल

इस पहल के विरोध में यह तर्क दिया जा सकता है यदि अनुसूचित जाति वर्ग के आरक्षण के उपवर्गीकरण को मान्यता दी जाती है, तो पहले इससे लाभान्वित लोगों को सुरक्षा कवच न मिल सकेगा। उनका तर्क हो सकता है कि कई बार आरक्षित वर्ग के किसी व्यक्ति को उच्च पद पर पहुंच जाने के बावजूद किसी भेदभाव व उपेक्षा का सामना करना पड़ सकता है। निस्संदेह, इस कथन ...

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक–सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार–बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर–जाल में फंसे परिवार– मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। इस प्रावधान का वंचित अनुसूचित जातियों तक विस्तार करना एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करता है कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है। वास्तव में वर्तमान स्थिति आरक्षण के न्यायसंगत लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाने में तार्किक नजर नहीं आती। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दर्शाता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग–अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं। निश्चित रूप से स्पष्ट मानदंड, सामाजिक पिछड़ेपन का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने और दुरुपयोग को रोकने के लिये कारगर सुरक्षा उपाय होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की टिप्पणी इस बात की ही परिचायक है कि सामाजिक न्याय का विस्तार होना चाहिए। अनुसूचित जातियों के आरक्षण से क्रीमी लेयर को सोच–समझकर बाहर करने से समानता के संवैधानिक वायदे की पुष्टि हो सकती है। इस पहल के विरोध में यह तर्क दिया जा सकता है यदि अनुसूचित जाति वर्ग के आरक्षण के उपवर्गीकरण को मान्यता दी जाती है, तो पहले इससे लाभान्वित लोगों को सुरक्षा कवच न मिल सकेगा। उनका तर्क हो सकता है कि कई बार आरक्षित वर्ग के किसी व्यक्ति को उच्च पद पर पहुंच जाने के बावजूद किसी भेदभाव व उपेक्षा का सामना करना पड़ सकता है। निस्संदेह, इस कथन की तार्किकता विचारणीय है। लेकिन इसका एक निष्कर्ष यह भी हो सकता है कि सामाजिक विसंगति और आर्थिक विषमता दूर करने का एकमात्र साधन आरक्षण ही नहीं हो सकता है। यहां यह भी विचारणीय होना चाहिए कि कई पीढ़ियों से आरक्षण लाभ पा चुके लोग, स्वेच्छा से उसका परित्याग करें तो इस दिशा में धनात्मक वातावरण बन सकता है। निश्चित रूप से ऐसे कदमों से मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की सकारात्मक पहल को संबल मिल सकेगा।

'वर्क फ्रॉम होम' के दौर में सुकून की वेला

वर्क फॉर होम से सिर्फ ऊर्जा ही नहीं बचती, बन्दा मल्टी टास्किंग में भी कुशल हो जाता है। एक हाथ की उंगलियों से अपना लैपटॉप ऑपरेट करता, दूसरे हाथ से अपने रोते हुए नौनिहाल को थपकी देता हुआ सुला लेता है। लो आ गया होम मेकर्स उर्फ गृहणियों के लिए मनोवांछित समय। सोना न खरीदने की फुजूल–सी दलील को अनसुना कर वर्क फॉर होम वाले मौसम को सेलिब्रेट करने का समय बस आया ही समझो। वर्क फ्रॉम होम वाली ताजातरीन समझाइश से पता चला कि सरकार केवल बड़े–बड़े वादे ही नहीं करती, कभी–कभी कुछ उपयोगी काम भी कर ले जाती है। इस बार वर्क फ्रॉम होम बहुत सही समय पर आ रहा है। घरेलू कामकाज में गृहणियों का घर के कामों में हाथ बंटाने वाली अधिकतर बाइयां गर्मी की छुट्टियों में सुदूर मायके जाने का ऐलान कर चुकी हैं। बॉलकोनी टू बॉलकोनी हो रही दो सगी सहेलियों जैसी पड़ोसनॉ की वार्ता, जो एक अन्य बॉलकोनी में गीले कपड़े सुखा रही एक गोपीचंद जासूस टाइप की विदुषी ने बायचांस अपने मोबाइल द्वारा वीडियो के फोर्मेट में इंटरसेप्ट कर लिया। पहली ने कहा, कोई दिक्कत न होगी। मीशु के पापा घर से काम करेंगे। मैंने उन्हें समझा दिया कि वर्क फ्रॉम होम मतलब वर्क फॉर होने, हाउ स्वीट। रामू जाएगा तो उसकी जगह लेने तेरा साहब आ जायेगा। वायरल वीडियो पर सबसे पहले कमेंट आयादृएक रामू जाता है तो दूसरा आता है। वर्क फॉर होम से सिर्फ ऊर्जा ही नहीं बचती, बन्दा मल्टी टास्किंग में भी कुशल हो जाता है। एक हाथ की उंगलियों से अपना लैपटॉप ऑपरेट करता, दूसरे हाथ से अपने रोते हुए नौनिहाल को थपकी देता हुआ सुला लेता है। इस प्रकार बाप बच्चे की बॉन्डिंग इतनी प्रगाढ़ हो जाती है कि बच्चे की मम्मी मौका भांप कर घंटे दो घंटे के लिए बच्चे के पास से गायब भी हो जाए तो इसका कोई संज्ञान तक नहीं लेता। वर्क फ्रॉम होम के समय बन्दा घर में मौजूद है तो तमाम गृहणियों के लिए सक्रिय कंटेंट क्रिएटर बनने के सारे रास्ते खुल जाते हैं। उनकी रचनात्मकता दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ने लगती है। उनकी उस पोस्ट पर भी हजारों व्यू आने लगते हैं, जिसे वे अपनी किसी भूतकाल की इमेज को किसी एआई टूल के जरिये नयनाभिराम बना ले जाती है। अब तमाम होम मेकर्स के सामने यक्ष प्रश्न ये है कि वर्क फ्रॉम होम की सरकारी अपील को कौन नियोजक कब और कैसे मानेगा।

अदालती फैसले में खेल संघों के लिए सबक

वह एक बार पुन: देश के लिए पदक जीतने की लालसा लिए हुए एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल में भाग लेने पहुंची थी लेकिन नियमों के नाम पर उसे भाग लेने से वंचित कर पुन: निराशा में धकेल दिया गया। विडंबना यह रही कि इस बार ओलंपिक समिति ने नहीं अपितु अपने ही देश के कुश्ती संघ ने उसके साथ न्याय नहीं किया था। कथित तौर पर ट्रायल का अवसर न दिये जाने के लिए नियम बदले ...

चयन ट्रायल से महिला पहलवान विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराने के मामले में हाईकोर्ट ने अपने हालिया निर्णय से न केवल देश की एक खिलाड़ी के साथ हुए अन्याय का उचित संज्ञान लिया अपितु मातृत्व का सम्मान किया है। इससे भारतीय कुश्ती संघ की स्वेच्छाचारिता पर अंकुश लगा है। एशियाई खेलों के लिए कुश्ती दल के चयन ट्रायल से महिला पहलवान विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराने के मनमाने निर्णय पर उच्च न्यायालय ने भारतीय कुश्ती संघ को कड़ी फटकार लगाई है। न्यायालय ने अपनी अहम टिप्पणी में कहा कि हमारे देश में मातृत्व का सम्मान किया जाता है। लेकिन भारतीय कुश्ती संघ ने तो विनेश फोगाट के मामले में अपने पुराने मानदंडों को ही बदल दिया (संभवत: व्यक्तिगत विद्वेष के चलते)। बता दें कि विनेश फोगाट ने अपनी खेल प्रतिभा से ध्अनेक अवसरों पर भारतीयों का सिर ऊंचा किया है। हाईकोर्ट ने अपने इस ऐतिहासिक निर्णय से न केवल देश की इस महान खिलाड़ी के साथ हुए अन्याय का उचित संज्ञान लिया अपितु मातृत्व का सम्मान किया है और भारतीय कुश्ती संघ की स्वेच्छाचारिता पर अंकुश लगाया है। इस निर्णय के चलते भविष्य में अन्य खेल महासंघों को भी खिलाड़ियों के प्रति अन्याय करने से रोकेगा। उल्लेखनीय है कि विनेश देश के लिए महिला कुश्ती के अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में सर्वाधिक पदक विजेता और ओलंपिक फाइनल तक पहुंचने वाली देश की एकमात्र महिला पहलवान हैं। विनेश मां

बनने के बाद कुश्ती में वापसी करना चाहती थी लेकिन उसे कुश्ती संघ के नियमों के नाम पर राष्ट्रमंडलीय व एशियाई खेलों के ट्रायल में भाग लेने से रोक कर दिया गया था। कई देशों में मां बनने के बाद खेलों में लौटने की इच्छुक महिला खिलाड़ियों के लिए नियमों में छूट दी गई और उन्होंने पदक जीतकर इसे सही सिद्ध किया। लेकिन विनेश की वापसी का रास्ता बंद कर दिया गया था। विनेश के साथ–साथ देश के लाखों कुश्ती प्रेमियों के लिए यह निराशा की बात थी। विनेश की अद्वितीय खेल उपलब्धियां भारतीय कुश्ती के लिए गर्व की बात है। विनेश ने साल 2013 में एशियाई चौंपियनशिप से पदक जीतने का सिलसिला शुरू किया। इसके साथ ही जुझारू खिलाड़ी विनेश 2022 की विश्व चौम्पियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों तक लगातार दस वर्षों में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए सर्वाधिक पदक (10 स्वर्ण पदकों सहित कुल 22 पदक) जीतने में सफल रहीं। महिला पहलवान विनेश विश्व चौंपियनशिप में दो पदक, एशियाई खेलों में एक स्वर्ण सहित दो पदक और राष्ट्रमंडलीय खेलों में लगातार तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली देश की एकमात्र महिला पहलवान हैं। एशियाई चौंपियनशिप में एक स्वर्ण , तीन रजत और चार कांस्य पदकों के साथ आठ पदक जीतने वाली देश की एकमात्र पहलवान विनेश ने भारतीय कुश्ती का परचम विश्व स्तर पर फहराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसके दमखघ्म और कुश्ती के प्रति अद्भुत समर्पण के विश्व भर के खेल विशेषज्ञ और खेलप्रेमी कायल रहे हैं। अपनी खेल प्रतिभा और उपलब्धियों के कारण विनेश को अर्जुन पुरस्कार (2016), पद्मश्री (2018) और मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार (2020) व लॉरियस स्पोर्ट्स वर्ल्ड अवार्ड से नवाजा जा चुका है। 2022 और 2024 में उन्हें बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्स वीमेन घोषित किया गया। विनेश ने तीन ओलंपिक खेलों में महिला कुश्ती में देश का प्रतिनिधित्व किया। साल 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों में पचास किलो भार वर्ग में वह फाइनल तक पहुंची। फाइनल मुकाबले से पूर्व जांच में कुछ अधिक वजन पाए जाने पर उसे अयोग्य ठहरा दिया गया। उस निराशा के चलते विनेश ने संन्यास की घोषणा कर दी थी। हरियाणा के विधानसभा चुनावों में विधायक चुने जाने और मातृत्व ग्रहण करने के बाद एक बार फिर विनेश ने कुश्ती की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की ठानी। वह एक बार पुनः देश के लिए पदक जीतने की लालसा लिए हुए एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल में भाग लेने पहुंची थी लेकिन नियमों के नाम पर उसे भाग लेने से वंचित कर पुनः निराशा में धकेल दिया गया। विडंबना यह रही कि इस बार ओलंपिक समिति ने नहीं अपितु अपने ही देश के कुश्ती संघ ने उसके साथ न्याय नहीं किया था। कथित तौर पर ट्रायल का अवसर न दिये जाने के लिए नियम बदले जाने सहित सारी व्यूह रचना की गयी थी। शायद विनेश द्वारा गत वर्षों में महिला पहलवानों की न्याय संगत मांगों के लिए किए गए संघर्ष की यह परिणति थी। विनेश को वापसी का मौकघ न देने का मनमाना निर्णय देश को एक उत्कृष्ट महिला पहलवान की सेवाओं से भी वंचित करने की दिशा में था। खेल भावना के विपरीत था।

बेटी पढ़ा तो लो मगर बचाएं कैसे?

{ जब यह लेखिका बहुत छोटी थी, दूसरी कक्षा में पढ़ती थी, तब इसके पिता कन्नौज रेलवे स्टेशन पर पोस्टेड थे। उन दिनों घर लौटकर अक्सर वे इस बात की सूचना देते थे कि आज फलां ने अपनी तीसरी बहू मार दी कि एक और ने अपनी पत्नी को मार दिया और दस दिन बाद ही दूसरी शादी भी कर ली। फिर अपनी तीन बेटियों के लिए बहुत चिंतित भी होते। यह भी कहते कि दूसरी पत्नी के माता–पिता ... }

क्या बेटी पालने में बेटे पालने के मुकाबले, कम संसाधन खर्च होते हैं। इन दिनों जब शहरी परिवारमात्र एक–दो बच्चों तक ही सीमित हैं, तब बेटियों की शिक्षा–दीक्षा पर भी बेटे की तरह ही खर्च होता है, लेकिन अब भी वे दोयम दर्जे की नागरिक हैं। नारा लगाते रहिए कि बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ। पिछले दिनों से त्विशा शर्मा का केस चर्चा में है। एक दिन में ही अखबारों के कुछ शीर्षक देखिएकृ संदिग्ध हालत में महिला की मौत। त्विशा–दीपिका की मौत ने दिखाया आईना। विनोद नगर में संदिग्ध हालत में विवाहिता की मौत आदि–आदि। ऐसी खबरें रोज आती हैं। एक महिला कमांडो तक की पीट–पीटकर हत्या की जा चुकी है। एनसीआरबी के 2024 के आंकड़ों की मानें, तो दहेज हत्या के मामलों में दिल्ली सबसे आगे फिर उत्तर प्रदेश, बिहार और कर्नाटक का नम्बर है। पिछले कुछ सालों से तो लगता था कि अब देश में बहुत बदलाव हो गया है। शादियां समानता के आधार पर हो रही हैं। इसका बड़ा कारण लगता कि चूंकि लड़कियां पढ़–लिख गई हैं, तो वे स्वयं भी ऐसे युवकों से विवाह करने से मना कर देती हैं, जिनके परिवार उन्हें अपने अनुकूल नहीं लगते। ऐसे बहुत से विवाह होते भी देखे हैं। आसपास ऐसे कई परिवार भी रहते हैं, जहां लड़कियां विवाह के बाद संयुक्त परिवारों में रहती हैं, कोई लड़ाई–झगड़ा भी दिखाई नहीं देता। लेकिन अब सोचती हूं कि जो दिखता है, वही सच नहीं होता। उसके पीछे भी बहुत

कुछ छिपा रहता है। अक्सर हम मध्यवर्ग के लोग हर बात अशिक्षा से जोड़ देते हैं कि फलां ने ऐसा इसलिए किया होगा कि परिवार शिक्षित नहीं था। उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। लेकिन त्विशा के मामले पर नजर डालें, तो उसके ससुराल में सब पढ़े–लिखे थे। सास रिटायर्ड जज, पति आपराधिक मामलों का वकील। फिर भी जब इस लड़की ने आत्महत्या कर ली, तो इसकी पहली सूचना उसके परिवार वालों को नहीं दी गई, बल्कि सास अपने जान–पहचान वालों से बातचीत करती रही। छियालीस फोन किए गए। एम्बुलेंस और पुलिस को फोन नहीं किया गया। यही नहीं सास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जो आरोप लगाए, वे, वे ही थे जिन्हें आम तौर पर लड़कियों के चरित्र हनन के लिए लगाया जाता है। जैसे कि वह ड्रग एडिक्ट थी। एक दिन के लिए घर से बाहर चली गई थी। उसने गर्भपात करा लिया था। वह खाना नहीं बनाती थी। पौधों को पानी नहीं देती थी। शादी से पहले हमारे घर भी आई थी। ऐसे कौन अपने होने वाले ससुराल में आता है। वह अस्सी किलो की थी। उसे सीढ़ियों से उतारना कितना मुश्किल था। मेरा बेटा उससे बहुत प्यार करता था, लेकिन वह गोल्ड डिगर यानी कि पैसे की लालची थी। उसने मुझे दादी होने का सुख नहीं दिया। ये बातें कोई ग्रामीण स्त्री नहीं कह रही है, एक रिटायर्ड जज कह रही है। सोचिए कि यदि इनके कोर्ट में ऐसे मुकदमे आते होंगे, तो इनका निर्णय क्या होता होगा। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के बहुत से निर्णय कहते हैं कि स्त्री अगर बच्चे को जन्म देना नहीं चाहती, तो उसके फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। शरीर उसका है, उस पर उसी का अधिकार है। यह भी कि आप पत्नी लाते हैं, कोई मेड नहीं कि खाना न बनाना तलाक का कारण बन सके। त्विशा पैसे कमाती थी। नोएडा से भोपाल जाने पर उसके बहुत से काम छूट गए थे। इस पर भी उसे ताने सुनने पड़ते थे। यानी कि एक स्त्री पैसे कमाए, उसे अपने पति के परिवार को सौंप दे। घर का काम करे। खाना बनाए। सबकी सेवा करे। किसी और से कभी बातचीत तक न करे, नहीं तो उसके चरित्र पर सवाल उठाने का अधिकार, हर ऐरे–गैरे नत्थू खैरे को मिल जाएगा। कई वकीलों ने कहा भी कि ये आरोप तो स्त्रियों पर सदा से लगते आए हैं। सोचने की बात है कि शादी करते ही आखिर लड़कियों के ऊपर ही सारा बोझ क्यों लाद दिया जाता है। इन दिनों ऐसे वीडियोज और रील्स की भरमार है, जिनमें ऐसा न करने पर पत्नी को पति घर से निकालने और तलाक की धमकी देते पाए जाते हैं। एक तरफ तो ये वीडियोज समाज में फैली असलियत को बताते हैं, मगर दूसरी तरफ बहुत से लोगों को ऐसा करने के लिए प्रेरित भी करते होंगे। आखिर लड़कियां ही क्यों घर से निकाली जाएं। वे ही क्यों तरह–तरह के लांछन झेलें। यदि प्रतिवाद करें, तो मारी जाएं और यदि चुपचाप सहती रहें, तो खुद जान दे दें। ग्रेटर नोएडा में रहने वाली दीपिका के पिता तो कुछ देर पहले ही उससे मिल कर गए थे। और कुछ ही देर में उसकी मौत की खबर आई। उसके भाई ने कहा कि अगर हमने बहन की सुनी होती और उसे घर ले आए होते, तो शायद बहन जिंदा होती। आम तौर पर लड़कियों के घर वालों की यही कहानी होती है। जो समाज उनकी परेशानियों में कभी कोई हिस्सा नहीं बंटाता, इस डर से कि लोग क्या कहेंगे, परिवार अपनी ही लड़कियों को वधिकों के हाथों छोड़ देते हैं। अपनी लड़कियों को ही सहने और एडजेस्ट करने की सीख देते हैं। आपकी लड़की की जान चली जाती है, समाज का कुछ नहीं जाता। त्विशा भी अपनी मां को बताती रही कि वह गलत जगह फंस गई है, लेकिन उसकी मां उससे कहती रही कि अपनी सास से बात करो। सब ठीक हो जाएगा। इन दोनों लड़कियों और इन जैसी बहुत–सी स्त्रियों की जान चली जाती है। यह बात भी महसूस होती है कि लड़कियां जैसे ही किसी घर की बहू बनती हैं, किसी की पत्नी कहलाती हैं, उनका जीवन गिरवी रख दिया जाता है। वे हमेशा किसी न किसी से दया मांगती रहे। एक ऐसा ऑडियो भी सामने आया है जिसमें त्विशा के भाई से बात करते हुए उसकी सास उसके चरित्र पर शक कर रही है। यह सास फिल्मों वाली ललिता पंवार नहीं है, लेकिन बहू की मौत पर मजाल है कि एक आंसू भी आया हो। बहू का मरना भी कोई मरना होता है।

आईपीएल 2026 में रजत पाटीदार ने रचा टी20 विश्व रिकॉर्ड, छक्कों का बादशाह बने

आईपीएल प्लेऑफ में रजत पाटीदार के लिए एक और यादगार रात रही। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 2022 के एलिमिनेटर में उनकी शानदार बल्लेबाजी से लेकर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 2026 के क्वालीफायर 1 में उनके तूफानी प्रदर्शन तक, पाटीदार तेजी से प्लेऑफ के दिग्गज खिलाड़ी बनते जा रहे हैं। 2022 की तरह ही, एचपीसीए स्टेडियम में टाइटन्स के खिलाफ क्वालीफायर में उन्होंने बल्लेबाजी का जलवा बिखेरा और पहली पारी के अंत में ही मैच का रुख मोड़ दिया। उनकी तूफानी और नाबाद 93 रनों की पारी ने बेंगलुरु को 92 रनों की बड़ी जीत दिलाई।

पाटीदार 13 गेंदों पर 21 रन बनाकर खेल रहे थे, जिसके बाद उन्होंने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए अगली 20 गेंदों में 72 रन बनाए और आरसीबी ने आईपीएल प्लेऑफ में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर – 254⁄4 – खड़ा किया। इस बीच, पाटीदार ने आईपीएल 2026 में 10 छक्के लगाकर एक ही टी20 टूर्नामेंट में कप्तान द्वारा सबसे अधिक छक्के लगाने का टी20 विश्व रिकॉर्ड बना लिया है। इस रिकॉर्ड के साथ ही उनके कुल छक्कों की संख्या 41 हो गई है। इससे पहले यह रिकॉर्ड रियान पराग के नाम था, जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2023⁄24 में असम को सेमीफाइनल तक पहुंचाते हुए 40 छक्के जड़े थे।

आईपीएल का रिकॉर्ड श्रेयस अय्यर के नाम था, जिन्होंने पंजाब किंग्स की कप्तानी करते हुए 2025 के फाइनल तक 39 छक्के लगाए थे। वहीं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह रिकॉर्ड जर्मनी के कप्तान मुसद्दीक अहमद के नाम है, जिन्होंने इसी महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में 26 छक्के लगाए थे।

टी20 टूर्नामेंट में कप्तान द्वारा लगाए गए सबसे अधिक छक्के

1 – रजत पाटीदारः आईपीएल 2026 में 41 छक्के’

2 – रियान परागः एसएमएटी 2023⁄24 में 40 छक्के

3 – श्रेयस अय्यरः आईपीएल 2025 में 39 छक्के

4 – विराट कोहलीः आईपीएल 2016 में 38 छक्के

5 – क्रिस गेलः सीपीएल 2016 में जमैका टैलावाह्स की कप्तानी करते हुए 37 छक्के

इसे भी पढ़ेंरू टंचपदह विवाद से च्संलवर्वि हीरो तक, ब्वजंपद त्पलंद च्तंह ने ऐसे पलटी तंरेंजींद त्वलंसे की किस्मत

इस बीच, पाटीदार आईपीएल इतिहास में दूसरे ऐसे कप्तान बन गए हैं जिन्होंने अपने पहले दो कप्तानी सत्रों में लगातार दो फाइनल में टीम का नेतृत्व किया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड हार्दिक पांड्या के नाम था, जिन्होंने गुजरात टाइटन्स को आईपीएल 2022 में जीत दिलाई और 2023 में फाइनल तक पहुंचाया।

अब्राहम समझौते से पाकिस्तान का इनकार, भड़के ट्रंप के सहयोगी, कहा– Mediator की भूमिका संदिग्ध

पाकिस्तान द्वारा अब्राहम समझौते में शामिल होने से इनकार करने के एक दिन बाद, अमेरिकी सीनेटर और डोनाल्ड ट्रम्प के सहयोगी लिंडसे ग्राहम ने अमेरिका और ईरान के बीच शांति स्थापित करने के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया। ट्रम्प द्वारा युद्धरत वाशिंगटन और तेहरान के बीच मध्यस्थता के लिए चुने गए पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति की इस मांग को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया कि वह कुछ अन्य मुस्लिम देशों के साथ अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करे और इजराइल को औपचारिक रूप से मान्यता दे। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि वह इस्लामाबाद के अब्राहम समझौते में शामिल होने के खिलाफ हैं,

जो इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है। अमेरिका के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने और शुरुआत से ही इजराइल को मान्यता न देने की मुश्किल स्थिति में होने के बावजूद, आसिफ ने स्पष्ट कर दिया कि अपनी बुनियादी विचारधाराओं पर समझौता करना अस्वीकार्य है। रक्षा मंत्री ने समा टीवी को दिए एक साक्षात्कार में इजराइल पर निशाना साधते हुए कहा कि आप उन लोगों के साथ कैसे बैठ सकते हैं जिनके वचन पर एक दिन के लिए भी भरोसा नहीं किया जा सकता? ग्राहम, जिन्होंने हाल ही में खुद को पाकिस्तान विरोधी के रूप में पेश किया है, ने बताया कि इस्लामाबाद की इजराइल के प्रति ष्लंबे समय से चली आ रही शत्रुताष् को देखते हुए, मध्य पूर्व में शत्रुता को समाप्त करने के लिए मध्यस्थता का जिम्मा इजराइल को सौंपना बुद्धिमानी नहीं होगी।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि मुझे काफी समय से यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान मध्यस्थ के रूप में बेहद समस्याग्रस्त है। इजराइल के प्रति उनकी शत्रुता बहुत पुरानी है। कैरोलिना के सीनेटर ने कहा कि रक्षा मंत्री की अब्राहम समझौते के बारे में टिप्पणी, जिसमें उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कभी इसमें शामिल नहीं होगा क्योंकि उसे इजराइल पर भरोसा नहीं हैरू भले ही वीडियो एक साल पुराना हो, लेकिन मुझे डर है कि उनकी भावना अभी भी ताजा है। पाकिस्तान की तटस्थता पर संदेह के बीच, ग्राहम ने अब्राहम समझौते पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए पाकिस्तान पर दबाव डाला।

फ्रेंच ओपन में मोइज कौमे की ऐतिहासिक जीत, 17 साल की उम्र में मारिन सिलिच को धूल चटाई!

फ्रांस के टेनिस जगत ने घरेलू ग्रैंड स्लैम में एक यादगार दिन देखा जब 17 वर्षीय मोइसे कौमे ने अपने पहले ही ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में पूर्व यूएस ओपन चौंपियन मारिन सिलिच को हराकर चौंकाने वाला उलटफेर किया। यह जीत उन्हें 7–6(4), 6–2, 6–1 से मिली। मंगलवार को स्टाडे रोलैंड गैरोस में खेले गए फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हासिल हुई। इस जीत के साथ, कौमे 2008 या उसके बाद जन्मे पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए जिन्होंने ग्रैंड स्लैम जीता है।

17 साल और दो महीने की उम्र में, कौआमे यह उपलब्धि हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी हैं। उनसे पहले बर्नार्ड टॉमिक ने 2009 के ऑस्ट्रेलियन ओपन में 16 साल की उम्र में किसी बड़े टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में जीत हासिल की थी। इस किशोर खिलाड़ी ने 1991 में रोमानियाई खिलाड़ी दिनू पेस्कारिउ के बाद फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड भी बनाया है, जिससे पेरिस में उनकी शानदार शाम में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई है।

इस महत्वपूर्ण अवसर के बावजूद, कौमे अपने से 20 साल बड़े और पूर्व विश्व नंबर 3 प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ पूरे मुकाबले के दौरान आश्चर्यजनक रूप से शांत रहे। फ्रांसीसी युवा खिलाड़ी ने बाद में खुलासा किया कि वर्तमान क्षण पर ध्यान केंद्रित रखना ही दबाव से निपटने की कुंजी थी। कोर्ट साइमन–मैथ्यू में घरेलू दर्शकों के भरपूर समर्थन के साथ, वाइल्डकार्ड खिलाड़ी, जो सिलिच की उम्र से लगभग आधी उम्र का है, ने अपनी उम्र से कहीं अधिक परिपक्वता का परिचय देते हुए सिलिच को मात दी। सिलिच तो उस समय शीर्ष 20 रैंकिंग में पहुँच चुके थे जब कौआमे का जन्म हुआ था। इस जीत के साथ कौआमे 1991 के बाद रोलैंड गैरोस जीतने वाले सबसे कम उम्र के फ्रांसीसी खिलाड़ी बन गए हैं। ब्रिटेन के कैमरून नॉरी के पहले दौर के मुकाबले से हटने के बाद अब उनका सामना एडोल्फो डेनियल वैलेजो से होगा।

उन्होंने मैच के बाद कहा कि यह आसान नहीं था। मैं हमेशा वर्तमान क्षण में रहने की कोशिश करता हूँ और स्कोर के बारे में ज्यादा नहीं सोचता। आज मैं इसमें पूरी तरह सफल रहा। उनके प्रदर्शन ने उनके शब्दों को सही साबित कर दिया, क्योंकि इस युवा खिलाड़ी ने पूरे मैच में एक भी सर्विस ब्रेक का सामना नहीं किया और अपनी फुर्ती, संयम और निडर शॉट–मेकिंग से धीरे–धीरे सिलिच को पछाड़ दिया। इस उपलब्धि ने कौआमे को विशिष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी में शामिल कर दिया है। उनसे पहले, बर्नार्ड टॉमिक ही एकमात्र ऐसे युवा खिलाड़ी थे जिन्होंने इतनी कम उम्र में ग्रैंड स्लैम मैच जीता था, जबकि रोलैंड गैरोस में पेस्कारिउ के 35 साल पहले के प्रदर्शन के बाद से इतने कम उम्र के किसी खिलाड़ी ने दूसरे दौर तक का सफर तय नहीं किया था।

इस सीजन की शुरुआत में, कौआमे 2003 में राफेल नडाल के बाद मास्टर्स 1000 के मुख्य ड्रॉ का मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे, और उनकी यह ताजा जीत इस बात का सबसे मजबूत संकेत मानी जा रही है कि फ्रांस को अपना अगला असली ग्रैंड स्लैम दावेदार मिल गया है। कुछ महीने पहले तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष 300 से बाहर रहे कौआमे ने अब पेरिस में शुरुआती सप्ताह की सबसे बड़ी कहानियों में से एक को जन्म दिया है।

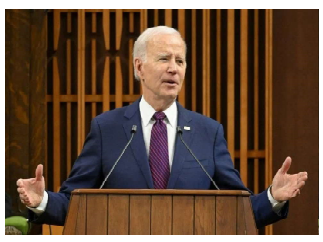

जो बाइडेन के गोपनीय दस्तावेजों में ऐसा क्या? पब्लिक होने से रोकने के लिए न्यायपालिका समिति पर केस

पूर्व डेमोक्रेटिक अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मंगलवार को अमेरिकी न्याय विभाग पर मुकदमा दायर कर 2016 और 2017 में अपने जीवनी लेखक के साथ हुई निजी बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग और ट्रांसक्रिप्ट जारी करने पर रोक लगाने की मांग की।

वाशिंगटन डीसी स्थित संघीय अदालत में दायर यह मुकदमा, न्याय विभाग द्वारा 15 जून को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की न्यायपालिका समिति और रूढ़िवादी हेरिटेज फाउंडेशन को ये सामग्री जारी करने की योजना से पहले आया है। तत्कालीन विशेष वकील रॉबर्ट हर द्वारा 2023 में बाइडन के गोपनीय दस्तावेजों के प्रबंधन की जांच के दौरान इन दस्तावेजों का इस्तेमाल किए जाने के बाद फाउंडेशन ने इन्हें हासिल करने की मांग की थी। हर ने आपराधिक आरोप लगाने से इनकार कर दिया था। मुकदमे में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पदभार संभालने तक विभाग ने हेरिटेज फाउंडेशन के 2024 में रिकॉर्ड जारी करने के अनुरोध का यह कहकर विरोध किया कि यह सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम के दायरे से बाहर है। विभाग ने समिति के अनुरोध के जवाब में रिकॉर्ड जारी करने की घोषणा की, जिसके बारे में मुकदमे में दावा किया गया है कि यह केवल रिकॉर्ड जारी करने पर रोक लगाने वाले संघीय कानून से बचने का एक तरीका है। मुकदमे में अदालत से समिति के अनुरोध को बहाना और अमान्य घोषित करने और समिति को रिकॉर्ड जारी करने पर स्थायी रूप से रोक लगाने का अनुरोध किया गया है। न्याय विभाग के प्रतिनिधियों ने टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। बाइडेन के घर में रिकॉर्ड की गई ये रिकॉर्डिंग उनकी 2017 की आत्मकथा ष्प्रॉमिस मी, डैडरू ए ईयर ऑफ होप, हार्डशिप, एंड पर्पसष् के लेखन प्रक्रिया का हिस्सा थीं, जिसमें बाइडेन के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के फैसले का विस्तार से वर्णन किया गया है, जबकि उनके सबसे बड़े बेटे ब्यू मस्तिष्क कैंसर से जूझ रहे थे।

खरीफ सीजन में पशुपालकों को मिलेगा मुत चारा बीज मिनीकिट

फतेहपुर। जनपद के पशुपालकों के लिए राहत भरी खबर है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि निदेशक प्रशासन एवं विकास/विभागाध्यक्ष, पशुपालन विभाग उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार खरीफ 2026–27 में अतिरिक्त चारा विकास कार्यक्रम राज्य योजना के तहत जिले में निशुल्क चारा बीज मिनीकिट वितरित किए जाएंगे। इस योजना के अंतर्गत जनपद में 55 हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए कुल 550 पशुपालकों का चयन किया जाएगा। योजना का उद्देश्य पशुओं के लिए हरे चारे की उपलब्धता बढ़ाना और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करना है। योजना का लाभ उन्हीं पशुपालकों को मिलेगा जिनके पास कम से कम दो दुधारू पशु हों तथा 0.1 हेक्टेयर से 0.5 हेक्टेयर तक भूमि चारा उत्पादन के लिए उपलब्ध हो। साथ ही सिंचाई की समुचित व्यवस्था भी अनिवार्य होगी। विभाग की ओर से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक समुदाय एवं महिला पशुपालकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है।

ngst ds nfjanksa dks vnkyr dk djkjk rekpk

फतेहपुर। दहेज की लालच में एक विवाहिता की जिंदगी छीनने वाले पिता–पुत्र को आखिरकार अदालत ने ऐसा सबक सिखाया, जो समाज में दहेज लोभियों के लिए कड़ा संदेश बन गया। जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत दहेज हत्या के सनसनीखेज मामले में एएसजे/एफटीसी कोर्ट संख्या–02 ने दोनों दोषियों को 10–10 वर्ष के कठोर कारावास और 10–10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। मामला थाना किशनपुर क्षेत्र के ग्राम थुरियानी का है। वर्ष 2019 में विवाहिता को अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि जब दहेज की मांग पूरी नहीं हुई तो आरोपियों ने महिला की गला दबाकर निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद मृतका पक्ष की तहरीर पर थाना किशनपुर में मुकदमा संख्या 127/19 धारा 498ए, 304बी आईपीसी एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत अभियोग पंजी. त किया गया। पुलिस ने मामले की विवेचना के दौरान वैज्ञानिक ढंग से साक्ष्य जुटाए और हर पहलू पर गहन जांच की।

पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर चल रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में स्थानीय पुलिस, मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन पक्ष ने मुकदमे की मजबूत पैरवी की। .. ाननीय एएसजे/एफटीसी कोर्ट संख्या–02 ने आरोपी राजेश पुत्र बुद्धराज और बुद्धराज पुत्र शिवमोहन निवासी ग्राम थुरियानी थाना किशनपुर को दोषी करार देते हुए 10–10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों दोषियों पर 10–10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। सफलता में मॉनिटरिंग सेल प्रभारी निरीक्षक श्रवण कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अष्विनी वर्मा, कांस्टेबल रोहित राजावत, जितेंद्र सिंह, विवेक कुमार, विवेचक क्षेत्राधिकारी अंशुमान मिश्र, पैरोकार कांस्टेबल नरेंद्र कुमार, कोर्ट मुहर्रिर मुख्य आरक्षी प्रमोद कुमार मिश्रा, एडीजीसी अजय कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इजरायल की भारत से बड़ी मांग, ईरान के आईआरजीसी को आतंकवादी संगठन घोषित कर लगाएं प्रतिबंध

क्षेत्रीय तनाव और ईरान के साथ नाजुक संघर्ष विराम के बीच, यरुशलम स्थित वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों ने भारत से ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) को आतंकवादी संगठन घोषित करने और उस पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है। इजरायल के विदेश मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान, इजरायली अधिकारियों ने बताया कि इजरायल ने नई दिल्ली के समक्ष आईआरजीसी की बढ़ती क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति पर चिंता व्यक्त की है, जिसमें पश्चिम एशिया से परे कथित खतरे भी शामिल हैं। इजरायली अधिकारियों ने बताया कि कई देशों ने पहले ही आईआरजीसी के खिलाफ कार्रवाई की है और उन्हें उम्मीद है कि भारत भी इसी तरह के कदम उठाने पर विचार करेगा। उनके अनुसार, इजरायल ने कई राजनयिक स्तरों पर भारतीय समकक्षों के साथ ईरानी सैन्य संगठन की गतिविधियों और प्रभाव के बारे में अपने आकलन साझा

किए हैं। बातचीत के दौरान एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी ने कहा कि भारत से हमारी अपेक्षाओं में से एक आईआरजीसी के खिलाफ कार्रवाई है। कई देश पहले ही इस दिशा में कदम बढ़ा चुके हैं। इजरायली अधिकारियों ने ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ के सदस्य देशों द्वारा हाल ही में उठाए गए उन कदमों का भी जिक्र किया, जिनमें आईआरजीसी से संबंधित प्रतिबंध ा और पाबंदियां लगाई गई थीं। उन्होंने तर्क दिया कि इस संगठन को लेकर चिंताएं अब केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक व्यापक वैश्विक सुरक्षा बहस का हिस्सा बन गई हैं। यह मुद्दा तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब भारत इजरायल और ईरान दोनों के साथ रणनीतिक संबंध बनाए रखता है। इसी महीने की शुरुआत में, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भारत का दौरा किया और नई दिल्ली और तेहरान के बीच संबंधों को मजबूत और दीर्घकालिक बताया।

इजरायली अधिकारियों ने ईरान, इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष में आईआरजीसी (हमास आतंकवादी संगठन) की भूमिका बताई। अप्रैल से ही एक नाजुक युद्धविराम लागू है, जो कई हफ्तों तक चले सैन्य तनाव के बाद कायम है, जिसने वैश्विक बाजारों और क्षेत्र के ऊर्जा मार्गों को प्रभावित किया है। अधिकारियों ने यह भी दावा किया कि 7 अक्टूबर 2023 के हमलों के बाद इजराइल ने हमास को लेकर भारत के समक्ष चिंताएं व्यक्त की हैं। भारत ने इन हमलों की कड़ी निंदा की, लेकिन नई दिल्ली ने अभी तक हमास या आईआरजीसी को आतंकवादी संगठन घोषित नहीं किया है। इजरायली अधिकारियों का कहना है कि आईआरजीसी को कमजोर करना ईरान से जुड़े इजराइल के सैन्य अभियानों और राजनयिक प्रयासों के प्रमुख रणनीतिक उद्देश्यों में से एक है।

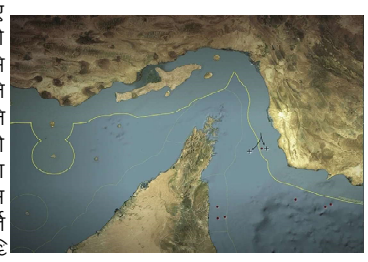

होर्मुज जलडमरूमध्य में यूएस का हमला, ईरान का बड़ा आरोप–अमेरिका ने तोड़ा युद्धविराम

होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिका द्वारा किए गए नए हमलों की ईरान ने कड़ी निंदा की है। इन हमलों से नाजुक युद्धविराम के टूटने और संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से चल रही वार्ताओं के जटिल होने का खतरा मंडरा रहा है। इस संघर्ष ने वैश्विक तेल आपूर्ति और क्षेत्रीय स्थिरता को बाधित किया है। होर्मोजगान प्रांत में हुए हमलों के बाद, ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका पर लगभग सात सप्ताह पुराने युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। ईरानी मीडिया ने क्षेत्र में विस्फोटों की सूचना दी, जबकि वाशिंगटन ने इस कार्रवाई को रक्षात्मक बताते हुए कहा कि इसमें मिसाइल ठिकानों और उन नौकाओं को निशाना बनाया गया था जो कथित तौर पर इस रणनीतिक जलमार्ग के पास नौसैनिक खदानें बिछाने का प्रयास कर रही थीं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा

कि व्यापक समझौते को सुरक्षित करने के लिए बातचीत में अभी भी ष्कुछ दिनष् लग सकते हैं, हालांकि तेहरान और वाशिंगटन के बीच शत्रुता को रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से समुद्री यातायात को बहाल करने के उद्देश्य से प्रारंभिक ढांचे पर प्रगति के संकेत मिले थे।

जमे हुए धन का मुद्दा प्रमुख अड़चन बनकर उभरा

प्रस्तावित प्रारंभिक समझौते के तहत, समुद्री मार्गों को फिर से खोलने और पूरे क्षेत्र में लड़ाई कम करने के लिए 30 दिन का ढांचा तैयार किया जाएगा, जबकि ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे अधिक जटिल मुद्दों को बाद की वार्ताओं के लिए छोड़ दिया जाएगा। ईरानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरानी वार्ताकार समझौते के तहत लगभग 24 अरब डॉलर की जमे हुए ईरानी संपत्तियों की रिहाई की भी मांग कर रहे हैं। रिपोर्टों में कहा गया है कि यह मुद्दा तेहरान और वाशिंगटन के बीच समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप देने के प्रयासों में मुख्य अनसुलझी बाधा बनकर उभरा है। ईरान लेबनान में भी संघर्ष समाप्त करने के लिए दबाव बना रहा है, जहां अप्रैल में हुए युद्धविराम के बावजूद इजरायली सेना और हिजबुल्लाह आतंकवादियों के बीच लड़ाई जारी है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव का तेल बाजारों पर असर

फरवरी के अंत में ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों से शुरू हुए इस संघर्ष ने ऊर्जा बाजारों को बुरी तरह प्रभावित किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य से यातायात – जो वैश्विक तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस व्यापार के लगभग पांचवें हिस्से का प्रमुख मार्ग है – सामान्य स्तर से काफी नीचे बना हुआ है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि पिछले 24 घंटों में 25 तेल टैंकर और वाणिज्यिक जहाज ईरानी अनुमति से जलडमरूमध्य से गुजरे। हालांकि, गार्ड्स द्वारा यह दावा करने के बाद तनाव और बढ़ गया कि ईरानी वायु रक्षा ने एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया और खाड़ी क्षेत्र में एक अन्य ड्रोन और एक लड़ाकू विमान को निशाना बनाया। वैश्विक तेल बाजारों ने इस पर तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिससे ब्रेंट क्रूड की कीमतें लगभग 3.5 प्रतिशत बढ़कर लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल हो गईं, क्योंकि आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान की आशंका थी।

ईद की नमाज को लेकर नगर पालिका की तैयारी पूरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। आदर्श नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ.धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू' ने बताया कि तपाने वाली गर्मी को देखते हुए ईद की नमाज के अवसर पर नगर पालिका की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। सुबह 6 बजे नगर के अधियारीबाग कब्रिस्तान,जामा मस्जिद सरायफाटक,बिचला ईदगाह सराय फाटक तथा बड़ी ईदगाह के पास मिष्ठान एवं जलपान के स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि नमाजियों को वजू बनाने में सुविधा के लिए सराय फाटक,बीच वाली ईदगाह और बड़ी ईदगाह नौसहरा के पास वाटर स्टैंड पोस्ट की टोटियां लगाई जाएंगी। पर्व को देखते हुए पूरे दिन नगर पालिका की जलापूर्ति व्यवस्था निरंतर जारी रहेगी। नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि नमाज से पूर्व सभी मस्जिदों,ईदगाहों तथा कब्रिस्तान जाने वाले मार्गों की विशेष साफ–सफाई और चूने के छिड़काव के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान साफ–सफाई,पेयजल,प्रकाश व्यवस्था आदि से जुड़ी किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएग।

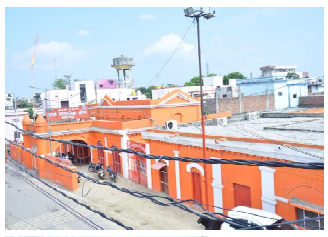

बिना परमिट कट रहा था सागवान, वन विभाग व एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई में ट्रैक्टर–टॉली समेत लकड़ी बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद के बनकटवा रेंज अंतर्गत बेलवा दममार गांव के पास अवैध रूप से सागवान की कटान का मामला सामने आया है। मुखबिर की सूचना पर वन विभाग एवं सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने मौके पर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। संयुक्त टीम ने मौके से एक ट्रैक्टर–ट्रॉली, लगभग 35 बोटा अवैध सागवान लकड़ी तथा एक अभियुक्त को पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद बरामद लकड़ी, ट्रैक्टर–ट्रॉली और आरोपी को बनकटवा रेंज कार्यालय लाया गया। वन क्षेत्राधिकारी शत्रुघ्न लाल ने बताया कि बिना परमिट सागवान की कटान और परिवहन किए जाने के मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग मामले की जांच कर रहा है तथा अवैध कटान में शामिल अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही।

आटो रिक्शा से आ रही महिला के बैग से लाखों के जेवर व नकदी चोरी, दिया तहरीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के कर्नलगंज क्षेत्र में आटो रिक्शा से आ रही एक महिला के बैग से लाखों रुपये मूल्य के जेवरात और नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने थाना कोतवाली कर्नलगंज में प्रार्थनापत्र देकर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार बहराइच जनपद के थाना फखरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोठवल कला निवासी वंदना सिंह पत्नी सत्यप्रकाश सिंह सोमवार 26 मई 2026 की सुबह करीब 10 बजे अपने ससुराल से मायके ग्राम बहुवन मदार मांझा, थाना परसपुर आ रही थीं। समय करीब 11 बजे जरवल से कर्नलगंज आने वाले आटो से आ रही थी। उसी आटो में 4 सोने की चूड़ी, व 2 लेडीज अंगूठी, व 1 जेंट्स अंगूठी, 1 चौन, 1 बाला, 1 सुई धागा, 1 मंगल सूत्र, 1 छोटा माला, 1 गले का पान आदि सामग्री आटो में ही किसी ने निकाल लिया। जब प्रार्थिनी ने आटो रिक्शा को किराया देने के लिए बैग उठाया तो चौन खुला मिला और उक्त जेवरात गायब मिले। प्रार्थिनी अकेली थी, आटो रिक्शा वाला तत्काल फरार हो गया। प्रार्थिनी सूचना को आई है। बैग में 3000 रूपये भी था। घटना के बाद पीड़िता ने थाना कोतवाली कर्नलगंज पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी और मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

औचक निरीक्षण में 15 कर्मचारी व चिकित्सक अनुपस्थित, वेतन रोकने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी द्वारा बुधवार को जिला संयुक्त चिकित्सालय बलरामपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं, साफ–सफाई, दवा वितरण एवं कर्मचारियों की उपस्थिति का गहन निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण में आठ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी . सौरव कुमार सिंह, गीता पांडे, माधुरी मिश्रा, नीलम पांडे, अनूप तिवारी, विक्रम वर्मा, सूर्य प्रकाश जायसवाल एवं अटल श्रीवास्तव अनुपस्थित पाए गए। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ सहायक कोमल प्रसाद, फार्मासिस्ट राजेंद्र यादव, स्टाफ नर्स बदमा देवी एवं साक्षी मिश्रा भी ड्यूटी से अनुपस्थित मिले। वहीं चिकित्सा अधिकारी डॉ. के. बरनवाल, डॉ. सौरभ गुप्ता, डॉ. बी.के. त्रिपाठी, डॉ. तेजवीर सिंह एवं डॉ. अनिल कुमार सिंह भी अनुपस्थित पाए गए। इस पर सीएमओ ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी अनुपस्थित कर्मचारियों एवं चिकित्सकों का वेतन रोकने हेतु मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजकुमार को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने वार्डों, दवा वितरण कक्ष तथा अस्पताल परिसर की साफ–सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों को निर्धारित ड्रेस में ड्यूटी करने के निर्देश दिए तथा चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को मरीजों के साथ बेहतर व्यवहार बनाए रखने को कहा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी मरीज को बाहर से दवा या जांच लिखने की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। साथ ही अस्पताल परिसर एवं चिकित्सालय भवन में दलालों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

गंगा स्नान करते हुए हरिओम की डूबने से मौत,4 घंटे बाद मिला शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के परसपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत भटपुरवा गांव निवासी युवक हरिओम की बनारस में गंगा नदी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई।घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया,वहीं पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। गोताखोरों ने करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद युवक का शव नदी से बाहर निकाला। प्राप्त जानकारी के अनुसार भटपुरवा निवासी बलराज सिंह उर्फ "बल्ले" के पुत्र हरिओम सतनाम कमेटी पुरवा धाम के पूर्णानंद शरण दास उर्फ "मोनू साहेब" के साथ यज्ञ में सेवा देने गए हुए थे।बताया जा रहा है कि मंगलवार सुबह करीब पांच बजे हरिओम अन्य सेवादारों के साथ गंगा स्नान करने पहुंचे थे। इसी दौरान डुबकी लगाते समय वह गहरे पानी में चले गए और देखते ही देखते लापता हो गए। साथी सेवादारों ने जब हरिओम को काफी देर तक बाहर नहीं आते देखा तो हड़कंप मच गया। आनन–फानन में स्थानीय गोताखोरों को बुलाया गया।करीब चार घंटे तक चली तलाश के बाद गोताखोरों ने नदी से हरिओम का शव बरामद किया। युवक की मौत की खबर जैसे ही घर पहुंची, परिवार में चीख–पुकार मच गई। पिता बलराज सिंह, माता समेत अन्य परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग लगातार परिवार को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं। घटना को लेकर शुभम सिंह कलहंस ने बताया कि सूचना मिलने पर वे मौके के लिए रवाना हो गए हैं। मौके पर पहुंचने के बाद ही अन्य आवश्यक जानकारी मिल सकेगी। हरिओम के असमय निधन से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है। ग्रामीणों ने इसे बेहद दुखद घटना बताते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

यूपी पंचायत चुनाव टलने से गांवों में बढ़ी हलचल, प्रधानों में खुशी तो जनता में भारी नाराजगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव टलने तथा वर्तमान ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाकर उन्हें प्रशासक बनाए जाने के फैसले के बाद प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इस निर्णय को लेकर गांव–गांव में चर्चाओं का दौर जारी है। एक ओर मौजूदा ग्राम प्रधानों और उनके समर्थकों में खुशी का माहौल दिखाई दे रहा है, वहीं दूसरी ओर आम जनमानस में काफी असंतोष व्याप्त है। सरकार के फैसले के बाद कई ग्राम प्रधानों ने राहत महसूस करते हुए कहा कि उन्हें अधूरे विकास कार्य पूरे करने का अतिरिक्त समय मिल गया है। उनका कहना है कि गांवों में सड़क, नाली, पेयजल, आवास, शौचालय और मनरेगा जैसी योजनाओं के कई कार्य अभी अधूरे हैं, जिन्हें अब पूरा करने का अवसर मिलेगा। प्रधान समर्थकों ने इसे प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी कदम बताया है। दूसरी ओर ग्रामीण जनता का एक बड़ा वर्ग पंचायत चुनाव समय पर न होने से नाराज दिखाई दे रहा है। लोगों का कहना है कि पंचायत चुनाव लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है और समय पर चुनाव न होने से जनता अपने नए प्रतिनिधि चुनने के अधिकार से वंचित हो रही है। गांवों में यह चर्चा भी तेज है कि लंबे समय तक प्रशासक व्यवस्था रहने से जवाबदेही और पारदर्शिता प्रभावित हो सकती है। कई ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पंचायत चुनाव टलने से गांवों में विकास कार्यों की निगरानी कमजोर पड़ सकती है। वहीं युवाओं और संभावित प्रत्याशियों में भी मायूसी देखी जा रही है, क्योंकि वे चुनाव की तैयारियों में लंबे समय से जुटे हुए थे। राजनीतिक दलों ने भी इस मुद्दे को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दी हैं। विपक्षी दल सरकार पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगा रहे हैं, जबकि सरकार समर्थक इसे परिस्थितियों के अनुसार लिया गया आवश्यक प्रशासनिक निर्णय बता रहे हैं। फिलहाल पंचायत चुनाव को लेकर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में चर्चाएं लगातार तेज हैं और जनता सरकार के अगले फैसले का इंतजार कर रही है। आने वाले दिनों में यह मुद्दा प्रदेश की राजनीति में और अधिक गर्मा सकता है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा की जिला कार्यशाला आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण एवं विकास के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय अटल भवन में जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सरकार की उपलब्धियों एवं आगामी जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 12 वर्षों में विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है। गरीब, किसान, महिला, युवा एवं वंचित वर्ग के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। सदर विधायक पलटू राम ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में देश ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियों को घर–घर तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हित और युवाओं के विकास के लिए केंद्र सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी जनसंपर्क अभियान को पूरी मजबूती के साथ चलाने का आह्वान किया।भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि मोदी सरकार ने देश को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का कार्य किया है। आज भारत विश्व मंच पर मजबूत नेतृत्व के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर गांव–गांव और बूथ स्तर तक जाएंगे तथा आमजन को सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराएंगे। कार्यशाला में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की तैयारी एवं जनसंपर्क अभियान को लेकर भी रणनीति तैयार की गई। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह, कार्यक्रम संयोजिका आद्या सिंह, सहसंयोजक सुनीता मिश्रा, शैलेंद्र सिंह, ललित तिवारी, नगर पालिका अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू, उतरौला अध्यक्ष प्रतिनिधि अनूप गुप्ता, पूर्व जिला उपाध्यक्ष सरदार परमजीत सिंह,जिला उपाध्यक्ष बृजेंद्र तिवारी, संजय शुक्ला, वरुण सिंह मोनू, जिला महामंत्री अजय सिंह पिंकू, बिंदु विश्वकर्मा, महेंद्र पांडे, अमरनाथ शुक्ला, जिला सह मीडिया प्रभारी अवधेश पाण्डेय सहित पार्टी पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गौशाला की बदहाली तथा भूख–प्यास,बीमारी और बदइंतजामी के बीच दम तोड़ रहे गोवंश,विडियो वायरल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। प्रदेश सरकार भले ही बेसहारा गोवंशों के संरक्षण और बेहतर देखभाल के बड़े–बड़े दावे कर रही हो,लेकिन कटरा बाजार ब्लॉक की ग्राम पंचायत शाहजोत स्थित गौशाला की तस्वीरें इन दावों की जमीनी हकीकत बयां कर रही हैं। यहां की हालत इतनी दयनीय है कि गौशाला अब संरक्षण केंद्र कम और बेजुबान गोवंशों की "मौतगाह" अधिक नजर आने लगी है।ग्रामीणों के मुताबिक गौशाला में न तो पर्याप्त चारे की व्यवस्था है और न ही भीषण गर्मी से बचाव के लिए छांव व पानी की समुचित सुविधा। तेज धूप और उमस के बीच कई गोवंश भूख–प्यास से बेहाल पड़े हैं।हालत यह है कि कई पशु कमजोरी के चलते ठीक से खड़े तक नहीं हो पा रहे हैं। बीमार गोवंश खुले में तड़पते नजर आ रहे हैं, जिससे लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि गौशाला परिसर में हरा चारा उपलब्ध होने के बावजूद उसे गोवंशों को नहीं खिलाया जाता। आरोप है कि प्रधान प्रतिनिधि हरे चारे को अपने निजी उपयोग में ले जाते हैं,जबकि गौशाला में सिर्फ सूखा भूसा डालकर औपचारिकता पूरी की जा रही है।ग्रामीणों का कहना है कि जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते बेजुबान जानवर तिल–तिल कर मरने को मजबूर हैं।ग्रामीणों ने यह भी बताया कि एक बीमार गोवंश की आंख पक्षियों द्वारा नोच ली गई, लेकिन समय पर समुचित इलाज और देखभाल नहीं हो सकी।इस घटना के बाद गांव में नाराजगी और बढ़ गई है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।इस मामले में ग्राम विकास अधिकारी राममूर्ति वर्मा ने बताया कि गौ आश्रय केंद्र में तीन से चार गोवंश लंबे समय से बीमार हैं, जिनका उपचार पशु चिकित्सकों की देखरेख में कराया जा रहा है।वहीं पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिव प्रकाश मौर्य ने कहा कि गौशाला का समय–समय पर निरीक्षण किया जाता है तथा बीमार पशुओं का इलाज जारी है, लेकिन उनकी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है।कुछ लोगो द्वारा उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा को वीडियो और तस्वीरों की जानकारी दी तो कहा कि प्रथम .ष्टया गौशाला में बदइंतजामी दिखाई दे रही है।मामले की जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।खबर किसी भी वायरल विडियो/फोटो की पुष्टि नहीं करता है यह जांच का विषय है।

बहराइच के पत्रकारों का लखनऊ में सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजिस्टर्ड के स्थापना दिवस के अवसर पर लखनऊ के हजरतगंज स्थित विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न प्रदेशों से पहुंचे पत्रकारों एवं पदाधिकारियों को सम्मान पत्र एवं बैग प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक रहे। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजिस्टर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बहराइच जिला इकाई के जिला अध्यक्ष सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पत्रकार हितों, सुरक्षा एवं संगठन की मजबूती को लेकर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारीगण रू ओमप्रकाश . जिला अध्यक्ष, बहराइच, अनूप कुमार मिश्रा . प्रदेश सचिव, गुरु प्रसाद . जिला उपाध्यक्ष,राम नारायण . जिला संरक्षक, गुलशन अवस्थी . जिला सचिव,छोटेलाल वर्मा . जिला सचिव, सत्येंद्र वर्मा . जिला महासचिव,उमाशंकर गुप्ता . जिला संगठन मंत्री, राजेश पांडे . जिला प्रभारी, अंकित पांडे . संवाददाता, दैनिक जागरण, रीता देवी . महिला विंग जिला उपाध्यक्ष, सरिता देवी . जिला उपाध्यक्ष, राजकुमार मौर्य . जिला उपाध्यक्ष, मनोज कुमार पाल . जिला महासचिव, रोहित कुमार . सचिव,धनीराम यादव . जिला उपाध्यक्ष,भीम चंद्र मौर्य . जिला महा संगठन मंत्री,शास्त्र तिवारी . जिला महासचिव, सद्दाम अली . सचिव। कार्यक्रम का समापन संगठन की एकता एवं पत्रकार सुरक्षा के संकल्प के साथ किया गया।

भौरीगंज सरयू घाट पर गंदगी से संत समाज में रोष,आमरण अनशन शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के तहसील करनैलगंज अंतर्गत परसपुर ब्लॉक के भौरीगंज स्थित पवित्र सरयू नदी घाट की बदहाल स्थिति को लेकर संत समाज और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। घाट पर फैली गंदगी,नदी में गिरते गंदे नाले और जल प्रवाह बाधित होने से श्रद्धालुओं की आस्था आहत हो रही है। मामले को लेकर संत–महात्माओं ने आमरण अनशन शुरू कर दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रसिद्ध संत बाबा गोकर्ण दास फलाहारी बाबा ने आरोप लगाया है कि सरयू नदी पुल के नीचे बड़े–बड़े बोल्डर और मलबा डाले जाने से नदी का प्रा.तिक जल प्रवाह प्रभावित हो गया है।वहीं भौरीगंज बाजार का गंदा नाला सीधे पवित्र सरयू नदी में गिराया जा रहा है,जिससे नदी का जल लगातार प्रदूषित और जहरीला होता जा रहा है। संत समाज का कहना है कि गंदगी और प्रदूषण के चलते नदी में मछलियां मर रही हैं तथा घाट पर स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। घाट के आसपास दुर्गंध का माहौल बना हुआ है, जिससे धार्मिक वातावरण भी प्रभावित हो रहा है।वर्तमान समय में मलमास का पावन पर्व चल रहा है।ऐसे में दूर–दराज के गांवों और क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू स्नान और पूजा–अर्चना के लिए घाट पर पहुंच रहे हैं।लेकिन घाट की बदहाल स्थिति देखकर श्रद्धालुओं में भी नाराजगी देखने को मिल रही है।इसी गंभीर समस्या को लेकर बाबा गोकर्ण दास फलाहारी बाबा के नेतृत्व में कई संत–महात्मा एवं स्थानीय नागरिक आमरण अनशन पर बैठ गए हैं।आंदोलनकारियों ने साफ कहा है कि जब तक घाट की समुचित सफाई,गंदे नाले की व्यवस्था और नदी के जल प्रवाह को सुचारु नहीं किया जाएगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि घाट पर सफाई कर्मचारियों की कोई तैनाती नहीं है और जनप्रतिनिधि भी इस गंभीर मुद्दे पर मौन बने हुए हैं।लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर सरयू घाट को स्वच्छ, सुरक्षित और श्रद्धालुओं के अनुकूल बनाने की मांग की है।संत समाज ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।इस संबंध में उपजिलाधिकारी कर्नलगंज नेहा मिश्रा ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है।स्थिति का जायजा लेने और अनशनकारियों की मांगों को समझने के लिए अधिकारियों को मौके पर भेजा जा रहा है।

साइबर थाना पुलिस का बड़ा खुलासा: सोनौली के दो युवक गिरफ्तार, साइबर ठगी का नेटवर्क बेनकाब

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/नौतनवा। महराजगंज में साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत साइबर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने साइबर ठगी की रकम खातों में मंगाकर निकासी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सोनौली क्षेत्र के दो आरोपियों को गिरतार किया है, जबकि गिरोह से जुड़े दो अन्य आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है। पुलिस अधीक्षक महराजगंज शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन तथा नोडल अधिकारी साइबर क्राइम थाना/अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। क्षेत्राधिकारी फरेंदा दीपशिखा के पर्यवेक्षण में साइबर थाना पुलिस टीम ने 27 मई 2026 को अभियान चलाकर दोनों आरोपियों को गिरतार किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे लोगों को डॉलर एक्सचेंज कर भारतीय मुद्रा खाते में भेजने का झांसा देते थे। इसी माध्यम से साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि अपने तथा परिचितों के खातों में मंगाकर उसकी निकासी कर लेते थे और रकम आपस में बांट लेते थे। पुलिस ने गिरतार अभियुक्तों के कब्जे से दो मोबाइल फोन और एक नेपाली सिम कार्ड बरामद किया है। गिरतार अभियुक्तों में अकिल पुत्र जैनुल्लाह एवं तौसिफ पुत्र अकिल निवासी वार्ड नंबर–11 जुगौली, थाना सोनौली, जनपद महराजगंज शामिल हैं। इस संबंध में साइबर क्राइम थाना महराजगंज में धारा 318(4), 61(2)(बी) बीएनएस एवं 66क आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरतारी एवं बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक सजनू यादव, उपनिरीक्षक सचिन कुमार, कांस्टेबल पियूषनाथ तिवारी, प्रदीप कुमार तथा संतोष शर्मा शामिल रहे।

अपशिष्ट से समृद्धि : कला और शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर। एनटीपीसी रिहंद में चल रहे स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत टाउनशिप परिसर स्थित सब्जी मंडी में "अपशिष्ट से समृद्धि" थीम पर एक कला और शिल्प की प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन संजय असाटी, मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख (रिहंद) और श्रीमती नीलू असाटी, अध्यक्षा, वर्तिका महिला मण्डल समिति ने किया। इस प्रदर्शनी में अनुपयोगी सामानों से बने कई तरह के सुंदर क्राट, सजावटी सामान, फर्नीचर और रचनात्मक उत्पाद प्रदर्शित किए गए, जो कि स्थिरता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का मैसेज दे रहे थे। प्रदर्शनी के दौरान बहुत से लोगो ने इसका अवलोकन किया और इस तरह की रचनात्मकता की मुक्त कंठ से सराहना की। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख श्री असाटी ने चक्रीय अर्थव्यवस्था के हिसाब से अनुपयोगी सामानों के पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में की गई इस पहल स्वागत किया तथा उपस्थित लोगों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक सहयोग देने की अपील की।

नगर पालिका ने चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण–2025 तथा नगर क्षेत्र में बेतरतीब ढंग से वाहनों की पार्किंग एवं सड़क/पटरी पर आवागमन में हो रही बाधा के . ष्टिगत नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा दिनांक 25 मई 2026 से नगर के लाईओवर के नीचे विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत बढ़ौली चौराहा से नवीन सब्जी मंडी गेट तक व्यापक साफ–सफाई, कूड़ा निस्तारण तथा ठेलों एवं फुटपाथ दुकानदारों को व्यवस्थित ढंग से खड़ा कराने की कार्यवाही की गई। नगर पालिका परिषद के अवर अभियंता राज कुमार राज ने बताया कि अभियान के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि गरीब एवं छोटे व्यवसायियों को किसी प्रकार की अनावश्यक कठिनाई न हो तथा वे नियमानुसार अपना व्यवसाय संचालित कर सकें। सभी फुटपाथ व्यवसायियों से अपील की गई कि वे निर्धारित वेंडिंग जोन में ही अपना व्यवसाय करें, जिससे नगर की यातायात व्यवस्था एवं स्वच्छता बनी रहे। उन्होंने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार स्वच्छ सर्वेक्षण–2025 के अंतर्गत नगर में यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। अभियान में पर्याप्त पुलिस बल, नगर पालिका के सफाई कर्मचारी एवं सफाई नायक उपस्थित रहे।

दुष्कर्म व एससी/एसटी एक्ट के प्रकरण से संबंधित 01 नफर वांछित अभियुक्तको किया गया गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में, प्रभारी निरीक्षक घोरावल बृजेश सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना स्थानीय पर पंजी.त मु0अ0सं0–94/2026 धारा 64(2)एम, 351(2), 352 बीएनएस व 3(1)द, 3(1)ध, 3(2)ट एससी/एसटी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त विनोद मौर्या पुत्र बहादुर मौर्या निवासी ग्राम घुवास थाना घोरावल जनपद सोनभद्र उम्र करीब 36 वर्ष को मुखबिर खास की सूचना पर गिरतार किया गया। गिरतार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय रवाना किया गया।

अपशिष्ट से समृद्धिः कला और शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर/सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद में चल रहे स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत टाउनशिप परिसर स्थित सब्जी मंडी में "अपशिष्ट से समृद्धि" थीम पर एक कला और शिल्प की प्रदर्शनी लगाई गई । इस प्रदर्शनी का उद्घाटन संजय असाटी, मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख (रिहंद) और श्रीमती नीलू असाटी, अध्यक्षा, वर्तिका महिला मण्डल समिति ने किया। इस प्रदर्शनी में अनुपयोगी सामानों से बने कई तरह के सुंदर क्राट, सजावटी सामान, फर्नीचर और रचनात्मक उत्पाद प्रदर्शित किए गए, जो कि स्थिरता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का मैसेज दे रहे थे । प्रदर्शनी के दौरान बहुत से लोगो ने इसका अवलोकन किया और इस तरह की रचनात्मकता की मुक्त कंठ से सराहना की । इस अवसर पर परियोजना प्रमुख श्री असाटी ने चक्रीय अर्थव्यवस्था के हिसाब से अनुपयोगी सामानों के पुनरू उपयोग और पुनर्चक्रण की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में की गई इस पहल स्वागत किया तथा उपस्थित लोगों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक सहयोग देने की अपील की।

पयागपुर नगर पंचायत में बवाल!

सभासदों का फूटा गुस्सा, बोले . "एक साल से नहीं हुई बैठक, विकास कार्य पूरी तरह ठप"

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। पयागपुर नगर पंचायत में विकास कार्यों की अनदेखी और साफ–सफाई व्यवस्था को लेकर सभासदों में भारी नाराजगी देखने को मिली। नगर पंचायत परिसर में जुटे सभासदों ने खुलकर प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया और कहा कि पिछले एक वर्ष से कोई बैठक तक आयोजित नहीं की गई है, जिससे वार्डों की समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। सभासदों का आरोप है कि अधिशासी अधिकारी प्रमिता सिंह न तो फोन रिसीव करती हैं और न ही सभासदों से मुलाकात करती हैं। इससे जनता की शिकायतों और विकास कार्यों का निस्तारण पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। सभासदों ने कहा कि वार्डों में विकास कार्य ठप पड़े हैं, वहीं साफ–सफाई व्यवस्था भी बदहाल हो चुकी है। गंदगी और अव्यवस्था से आम जनता परेशान है, लेकिन नगर पंचायत प्रशासन समस्या समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रहा। बैठक के दौरान सभासदों ने नगर पंचायत अध्यक्ष और ईओ दोनों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों की लगातार अनदेखी की जा रही है। सभासदों ने चेतावनी दी कि यदि 7 दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो तहसील पयागपुर परिसर में बड़ा धरना–प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही उपजिलाधिकारी पयागपुर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की जाएगी।

कुशीनगर में निकाह गैंग का सनसनीखेज खेल ? युवती बोली– मुझे बेचने की हो रही थी तैयारी

कुशीनगर। जनपद के तमकुही राज थाना क्षेत्र से सामने आई एक युवती की दर्दनाक कहानी ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। भरोसा, प्यार और निकाह के नाम पर शुरू हुआ रिश्ता आखिरकार ब्लैकमेल, दुष्कर्म, धर्मांतरण और कथित सौदेबाजी की खौफनाक साजिश में बदल गया। पीड़िता ने जो आरोप लगाए हैं, उसने पुलिस महकमे तक को हिला दिया है। पीड़िता के मुताबिक करीब दो वर्ष पहले बाजार जाते समय उसकी मुलाकात सेवरही निवासी व्यवसायी पवन कुमार से हुई थी। आरोप है कि इसी मुलाकात के बाद उसे एक सुनियोजित जाल में फंसाया गया। व्यवसायी पवन कुमार ने युवती का परिचय तमकुही राज क्षेत्र के मुन्नीपट्टी निवासी शादीशुदा जियाउद्दीन से कराया। शुरुआत दोस्ती से हुई, फिर मुलाकातों का सिलसिला बढ़ा और धीरे–धीरे युवती को भरोसे के ऐसे जाल में फंसा लिया गया, जहां से निकलना उसके लिए मुश्किल हो गया। युवती का आरोप है कि एक दिन जियाउद्दीन ने उसे बुलाकर नशीला पदार्थ खिलाया और बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, इस दौरान अश्लील वीडियो भी बना लिया गया। बाद में उसी वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर उसे लगातार ब्लैकमेल किया जाता रहा। बदनामी और डर के साये में युवती हर दिन मानसिक यातना झेलती रही।

निकाह के बाद धर्मांतरण फिर बेचने की तैयारी— मामला यहीं नहीं रुका। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसे फाजिलनगर ले जाकर निकाह के नाम पर कथित रूप से मतांतरण कराया गया और किराए के कमरे में रखा गया। इस दौरान आरोपी सऊदी अरब चला गया, लेकिन युवती उसकी गिरफ्त से पूरी तरह बाहर नहीं निकल सकी। करीब एक साल बाद जब आरोपी वापस लौटा तो उसने युवती को पासपोर्ट बनवाने के बहाने लखनऊ ले गया। यहीं कहानी ने सबसे खौफनाक मोड़ लिया। युवती का आरोप है कि उसने कुछ लोगों को उसकी डील और बेचने को लेकर बातचीत करते सुन लिया। यह सुनते ही उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। मौका मिलते ही वह वहां से भाग निकली।पीड़िता के मुताबिक रेलवे स्टेशन तक उसका पीछा किया गया। वहां उसके साथ मारपीट भी की गई, लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप किया, जिसके बाद वह किसी तरह जान बचाकर अपने घर पहुंच सकी। बताया जाता है कि घटना सामने आने के बाद पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई तेज कर दी। पुलिस ने मुख्य आरोपी जियाउद्दीन को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके भाई आलमगीर और पवन कुमार की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज जयंत यादव का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।कहना ना होगा कि इस घटना ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर भरोसे और रिश्तों की आड़ में चल रहे ऐसे खतरनाक खेलों पर लगाम कब लगेगी?।

हत्या के आरोपी चार अभियुक्तों को सश्रम आजीवन कारावास, प्रत्येक को 27000 रूपए का लगा अर्थदण्ड

कुशीनगर,। जिला सत्र न्यायालय स्थित एससी, एसटी कोर्ट ने हत्या, एससी, एसटी एक्ट आदि के मुकदमे में 04 अभियुक्तों को सश्रम आजीवन कारावास व प्रत्येक को कुल 27,000ध्– रुपये अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया है। एससी एसटी कोर्ट स्थान पडरौना ने कुशीनगर पुलिस द्वारा ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत मुकदमों का प्रभावी पैरवी कर दोषियों के खिलाफ सजा दिलवाए जाने को क्रम में थाना तमकुहीराज पर पंजीकृत मु0 अ0 सं0–219ध् 2023 धारा 302, 504, 506, 34 भादवि0 व 3(2) 5 एससीध् एसटी एक्ट में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध स्थानीय पुलिस व मॉनिटरिंग सेल के द्वारा प्रभावी पैरवी तथा नियुक्त अभियोजन अधिकारी द्वारा सार्थक कार्यवाही किया गया। जिसके फलस्वरुप न्यायालय द्वारा अभियुक्त हेमन्त लाल श्रीवास्तव पुत्र स्व0 परशुराम लाल श्रीवास्तव, आशा देवी पत्नी हेमन्त लाल श्रीवास्तव, आलोक पुत्र हेमन्त लाल श्रीवास्तव, साक्षी उर्फ रंगोली पुत्री हेमन्त लाल श्रीवास्तव निवासी श्याम पट्टी थाना तमकुहीराज जनपद कुशीनगर के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर अपराध सिद्ध करते हुए उपरोक्त अभियुक्तों को सश्रम आजीवन कारावास व प्रत्येक को कुल 27,000– रुपये अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया गया है। अभियुक्त को सजा दिलाने में विवेचक क्षेत्राधिकारी जितेन्द्र सिंह कालरा, अभियोजन अधिकारी एसपीपी महेन्द्र प्रताप गोविन्द राव एससीध्एसटी कोर्ट, प्र0नि0 तमकुहीराज गिरिजेश उपाध्याय, पैरोकार हे0का0 लल्लन प्रसाद का सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के कार्यवाहक अध्यक्ष चुने गए राहुल चतुर्वेदी एवं समी हैदर कार्य वाहक जिलामंत्री

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश मिनिस्ट्रीयल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ, उ0प्र0 जनपद इकाई कुशीनगर का कार्यकाल पूरा होने के बाद नये कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें राहुल चर्तुवेदी को कार्यवाहक अध्यक्ष तथा समी हैदर को कार्यवाहक जिला मंत्री चुना गया। उक्त कार्यकारिणी दो माह तक संगठन का कार्य देखेगी। पूर्व सूचना के अनुसार कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ की एक आवश्यक बैठक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित संयुक्त कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी जिला कार्यकारिणी की चुनाव होने तक उ0प्र0 मि0 क0 क0 संघ उ0प्र0 जनपद शाखा कुशीनगर के कार्यवाहक अध्यक्ष, मंत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, संगठन मंत्री, सम्परीक्षक, संयुक्त मंत्री, सांस्कृतिक कार्य एवं कीड़ा मंत्री के पद पर सर्वसम्मति से निर्विरोध चयन किया गया। जिसमें राहुल चतुर्वेदी कार्यवाहक अध्यक्ष, संजय भारती कार्यवाहक वरिष्ठ उपाध्यक्ष, समी हैदर कार्यवाहक जिला मंत्री, विजय प्रताप कुशवाहा, कार्य वाहक संप्रेक्षक, अवधेश लाल श्रीवास्तव कार्यवाहक संयुक्त मंत्री, अमिरुल्लाह अंसारी कार्यवाहक कोषाध्यक्ष, अजय लाल कर्ण कार्यवाहक संगठन मंत्री, अभिषेक सिंह कार्यवाहक सांस्कृतिक कार्य एवं कीड़ा मंत्री चुने गए। उक्त कार्यवाहक कार्यकारिणी अगले आम चुनाव तक कार्य करेगी। साथ ही उक्त कार्यवाहक कार्य कारिणी अगले दो माह में संविधान के अनुसार चुनाव अधिकारी व सहायक चुनाव अधिकारी का चयन करते हुए नयी कार्यकारिणी का गठन भी सुनिश्चित करेगी।

क्षेत्र पंचायत की बैठक 11जून को

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। विकास खण्ड करमा सभागार में क्षेत्र पंचायत की बैठक आगामी 11 जून को सुबह 11बजे से आहूत की गई है। खण्ड विकास अधिकारी गुरुशरन श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में पिछली कार्यवाही की पुष्टि एवं आगामी कार्ययोजना पर विचार विमर्श किया जाएगा।

ट्रांसफार्मर चार दिनों से खराब विद्युत आपूर्ति बंद पेय जल संकट

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। विकास खण्ड करमा के पटेहरा गांव में तालाब के समीप शिव मंदिर के पास लगा ट्रांसफार्मर विगत चार दिनों से जल जाने से आसपास के आधा दर्जन परिवारों में अंधेरा छाया हुआ है। सबसे बड़ी समस्या सबमर्सिबल न चलने से पानी की हो रही है। उपभोक्ता गोपाल सिंह ने बताया कि इसकी जानकारी बिजली विभाग के हेल्प लाइन नंबर पर दी जा चुकी है इसके बावजूद अभी तक ट्रांसफार्मर नही बन पाया। उपभोक्ताओं ने ट्रांसफार्मर दुरुस्त कराते हुए विद्युत आपूर्ति शुरू कराने की मांग की है।

टीम बनाकर गांवों की सफाई करें सफाई कर्मी : खंड विकास अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। विकासखण्ड करमा में बुद्ध वार को खण्ड विकास अधिकारी गुरुशरन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सचिवो, तकनीकी सहायकों की बैठक हुई। जिसमें उन्होंने सचिवों से कहा कि हर गांवों में जाकर यह सुनिश्चित करे कि कहीं पानी की समस्या तो नहीं है। अगर जहां पर पानी की समस्या है तो उसे 24 घंटे के अंदर पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। आगे उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत अनुसूचित जन जाति के पात्र लाभार्थियों,50 वर्ष से कम उम्र की विधवा महिलाओं,40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग परिवार जो कच्चे मकानों में रहते हों चिन्हित करते हुए आवास की सूची दो दिनों के अंदर विकास खण्ड कार्यालय में उपलब्ध कराएं जिससे उन्हें आवास मुहैया कराया जा सके। इसके अलावा सफाई कर्मियों की टीम बनाकर गावो की सफाई, सुनिश्चित कराने के लिए निर्देशित किया। उक्त अवसर पर सचिव, तकनीकी सहायक, समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पानी लेने गई युवती को विषैले सर्प ने डसा, सीएचसी में उपचार जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र के पड़री ग्राम पंचायत के खंता टोला में मंगलवार की रात एक युवती को विषैले सर्प ने डस लिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। जानकारी के अनुसार सुदा (21) पुत्री कन्हैया लाल यादव निवासी पड़री रात में आंगन में रखे घड़े से पानी लेने गई थी। इसी दौरान घड़े के पास छिपे विषैले सर्प ने उसके पैर में काट लिया। सर्पदंश के बाद युवती की हालत बिगड़ने लगी और वह अचेत हो गई। परिजनों ने बिना देरी किए उसे निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर पहुंचाया। वहां मौजूद चिकित्सक डॉ. पल्लवी सिन्हा ने युवती को भर्ती कर उपचार शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार युवती का इलाज जारी है और उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

खलिहान की भूमि पर अवैध निर्माण एवं सरकारी धन के दुरुपयोग करने का आरोप, जांच की मांग

कुशीनगर,। जनपद के मोती चक विकास खंड के ग्राम पंचायत अथरहा में सार्वजनिक खलिहान की जमीन पर कथित अवैध निर्माण, सरकारी धन के बंदरबांट और विधायक निधि के दुरुपयोग को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। गांव निवासी परशुराम कुशवाहा ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच, अवैध निर्माण पर तत्काल रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ग्राम सभा की सुरक्षित खलिहान भूमि को नियमों की अनदेखी कर कब्जा और निर्माण का जरिया बना दिया गया है। आरोप है कि गाटा संख्या 387 में मनरेगा और विभिन्न वित्त आयोगों की धनराशि से डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क एवं प्रतिमा स्थापना का कार्य कराया गया। जबकि राजस्व अभिलेखों में यह भूमि सार्वजनिक उपयोग हेतु सुरक्षित दर्ज है। शिकायतकर्ता का दावा है कि करीब 8.75 लाख रुपये से अधिक की सरकारी धनराशि खर्च दिखा दिया गया है लेकिन मौके पर निर्माण कार्य गुणवत्ता और मानकों के अनुरूप नहीं है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि विधायक निधि से प्रस्तावित विवाह भवन के लिए कागजों में दूसरी भूमि दर्शाई गई, जबकि वास्तविक निर्माण खलिहान की भूमि गाटा संख्या 529 पर कराया जा रहा है। इससे सरकारी अभिलेखों में हेराफेरी कर धन के विचलन और सत्ता संरक्षण में किए जा रहे निर्माण का मामला बताया गया है। साथ ही गाटा संख्या 229 में निजी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से खड़ंजा निर्माण की तैयारी की जा रही है। आरोप है कि ग्राम सभा की सार्वजनिक संपत्तियों को सुनियोजित तरीके से निजी हितों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। जिससे ग्रामीणों के सामुदायिक अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। ग्राम पंचायत में कराए गए सीसी रोड निर्माण कार्य भी सवालों के घेरे में हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि निर्माण में मानकविहीन सामग्री, सफेद बालू और कम मोटाई की ढलाई का इस्तेमाल कर सरकारी धन का खुला दुरुपयोग किया गया है। आरोप है कि कागजों में विकास कार्य चमक रहे हैं, जबकि धरातल पर गुणवत्ता दम तोड़ रही है। शिकायतकर्ता परशुराम कुशवाहा ने जिलाधिकारी से मांग किया है कि पूरे मामले की तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराई जाए, अवैध निर्माण तत्काल रोका जाए, जिम्मेदार अधिकारियों व संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो तथा सरकारी धन की रिकवरी सुनिश्चित की जाए। शिकायत के साथ खतौनी की प्रतियां और निर्माण कार्यों के छायाचित्र भी संलग्न किए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

फिर से एंटरटेन करने लौट रहा है मिश्रा परिवार, गुल्लक सीजन 5 का ट्रेलर जारी, इस बार घर की मरम्मत और जिम्मेदारी उठाने की बारी

वेब सीरीज की दुनिया का चर्चित और पसंदीदा मिश्रा परिवार एक बार फिर आपके मनोरंजन के लिए तैयार है। क्योंकि सोनी लिव का सुपरहिट शो श्गुल्लकच्य एक बार फिर अपने नए सीजन के साथ वापसी कर रहा है। मिडिल क्लास फैमिली की कहानी को सबसे खूबसूरती से दिखाने वाले शो श्गुल्लकच्य के पांचवें सीजन की रिलीज डेट अब सामने आ गई है। मेकर्स ने आज गुल्लक सीजन 5 का ट्रेलर जारी करते हुए रिलीज डेट से भी पर्दा हटा दिया है। जारी किए गए ट्रेलर में मिश्रा परिवार की झलक देखने को मिलती है। जहां अभी भी छोटी–मोटी नोकझोंक के साथ मिश्रा परिवार का अपनापन बना हुआ है। हालांकि, इस बार मिश्रा परिवार घर का बोझ नहीं बल्कि जिम्मेदारियां निभाने के लिए तैयार है। नए सीजन में कहानी आगे बढ़ती है। इसके साथ ही मेकर्स ने ये स्पष्ट कर दिया है कि श्गुल्लक सीजन 5च्य 5 जून से सोनी लिव पर स्ट्रीम करेगा। इस सीजन में मिश्रा निवास का सिर्फ नवीनीकरण ही नहीं हो रहा है, बल्कि उसे एक नया रूप दिया जा रहा है। नया रंग–रोगन। नया वाई–फाई कनेक्शन। एक परिवार जो धीरे–धीरे बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन बाहर की दुनिया भले ही बदल जाए, घर के अंदर के छोटे–छोटे पल हमेशा यादगार रहेंगे। अन्नू खुद को और परिवार को साबित करने के जाने–पहचाने दबाव से जूझ रहा है। अमन पहले से ज्यादा शांत होकर लौटता है, अपने कुछ राज लिए हुए। शांति को अचानक थोड़ी प्रसिद्धि मिल जाती है। बिट्टू की मम्मी की ऑनलाइन लोकप्रियता एक ऐसी दुनिया में जहां हर कोई दिखने के लिए बेताब है। वहीं अन्नू की लव स्टोरी भी इस बार देखने को मिल सकती है। इन सभी बदलावों और उथल–पुथल के बीच, गुल्लक सबसे बड़ा सवाल पूछता रहता है – क्या आप कभी सचमुच अपनी जड़ों से आगे निकल सकते हैं? सीरीज में पुरानी कास्ट वापस लौटी है, लेकिन इस बार एक सबसे बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। अन्नू का किरदार अभी तक वैभव राज गुप्ता ने निभाया था। लेकिन इस बार ये किरदार अनंत जोशी निभा रहे हैं। वो इससे पहले कई चर्चित वेब सीरीज और फिल्मों में नजर आ चुके हैं। सीरीज की बाकी कास्ट वो ही है, जिसमें जमील खान, गीतांजलि कुलकर्णी, हर्ष मयार और सुनीता राजवार के नाम शामिल हैं। हां, ट्रेलर में एक झलक गोपाल दत्त की भी देखने को मिलती है। वो सीरीज में नई एंट्री हो सकते हैं।

फिल्म अल्फा के लिए आलिया भट्ट की बड़ी तैयारी, पहली बार दिखेगा खतरनाक अवतार

यशराज फिल्म्स की पहली महिला सुपरहीरो फिल्म अल्फा 2026 में तहलका मचाने के लिए तैयार है। फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस के लिए एक बड़ी जानकारी सामने आई है,

जो उन्हें उत्साहित कर देगी। दरअसल, फिल्म में आलिया भट्ट के किरदार को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जिन लोगों को लगता है कि अभिनेत्री इसमें एक जासूस की भूमिका में होंगी, उनका अंदाजा बिल्कुल गलत है। दरअसल आलिया फिल्म में एक खतरनाक अवतार में दिखेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, अल्फा में आलिया एक जासूस नहीं, बल्कि हत्यारे के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में ऐसी लड़की की कहानी दिखाई जाएगी, जिसे बचपन से हत्यारा बनने के लिए पाला–पोसा गया है। परियोजना से जुड़े सूत्र ने बताया कि निर्माता आदित्य चोपड़ा पहली बार एक ऐसी मूल कहानी दे रहे हैं, जो एक ऐसे किरदार से परिचय कराती है जो ग्रे शेड का है। एक तरह से एंटी–हीरो है। यह निश्चित रूप पर दर्शकों को चौंका देगा। अल्फा से जुड़े इस खुलासे ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। आलिया की तुलना मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में स्कारलेट जोहानसन द्वारा निभाए गए ब्लैक विडो के किरदार से हो रही है। वैसे यह कोई नई बात नहीं है, क्योंकि पिछले साल से सोशल मीडिया यूजर्स अल्फा की तुलना मार्वल फ्रैंचाइजी से करते आ रहे हैं और इसे ब्लैक विडो की नकल बता रहे हैं। 10 जुलाई को आ रही फिल्म में शरवरी और बॉबी देओल भी नजर आएंगे।

चांद मेरा दिल को चौथे दिन झटका, किया अब तक का सबसे कम कारोबार, औंधे मुंह गिरी पति पत्नी और वो दो

अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी की रोमांटिक ड्रामा फिल्म चांद मेरा दिल कारोबारी दिनों में लौट आई है। हैरानी की बात यह है कि शुरुआती दिन में आंकड़ों में भारी गिरावट देखने को मिली है। फिल्म के लिए आने वाले दिन कितने मुश्किल हो सकते हैं, इसका अंदाजा अभी से लगाया जा सकता है। दूसरी ओर, आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म पति पत्नी और वो दो की कमाई भी नीचे आने लगी है।

सैकनिल्क के मुताबिक, चांद मेरा दिल ने अपने पहले सोमवार को यानी चौथे दिन 2.25 करोड़ रुपये कमाए हैं। यह अब तक का सबसे कम कलेक्शन है, क्योंकि इसने तीसरे दिन 4.25 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 3.75 करोड़ रुपये और पहले दिन 3 करोड़ रुपये कमाए थे। 4 दिनों में यह सिर्फ 13.25 करोड़ रुपये जुटा पाई है। ऐसा लगता है कि 20 करोड़ कमाने में फिल्म को पूरा हफ्ता लग जाएगा, क्योंकि असली संघर्ष अब शुरू हो गया है।

आयुष्मान खुराना की अदाकारी वाली फिल्म श्पति पत्नी और वो दोच्य बॉक्स ऑफिस पर धीमी रफ्तार से कमाई कर रही है। दूसरे सोमवार को इसने 1.02 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। दूसरे रविवार को इसने 3.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। 11 दिनों में इस फिल्म ने कुल 37.37 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

है जवानी तो इश्क होना है ट्रेलर रिलीज: प्रेग्नेंट घरवाली–बाहरवाली की एक ही अस्पताल में डिलीवरी, मुसीबत में वरुण धवन

वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े स्टारर रोमांटिक ड्रामा फिल्म है जवानी तो इश्क होना है का मजेदार और रोमांटिक ट्रेलर रिलीज हो गया है. वरुण धवन फिल्म में दो लड़कियों संग रोमांस करने जा रहे हैं. ट्रेलर में फिल्म की पूरी कहानी बयां हो गई है. अब दर्शकों को देखना यह होगा कि वरुण इस डबल ट्रबल से बाहर कैसे निकलेंगे. फिल्म की कहानी पति और पत्नी और वो (बाहरवाली) के इर्द गिर्द घूमने वाली है. चलिए जानते हैं आखिर कैसा है है जवानी तो इश्क होना है का ट्रेलर.

है जवानी तो इश्क होना है का ट्रेलर 3.15 मिनट का है, लेकिन शुरू से लेकर अंत तक खुद से बांधे रखता है. ट्रेलर की शुरुआत रोमांटिक मोड से शुरू होकर सीधी कोर्ट जा पहुंचती है. वरुण और मृणाल फिल्म में पति–पत्नी हैं और पूजा हेगड़े वो है यानी बाहरवाली. मृणाल को पति से शिकायत है कि वह उसे बहुत प्यार करता है. वरुण अदालत में जज को बताते हैं वह पिता बनना चाहता है. इसके बाद वरुण की जिंदगी में बतौर बाहरवाली पूजा हेगड़े की एंट्री होती है, जो कि बड़े और बदमाश टाइप खानदान से है. पूजा के भाई का रोल एक्टर जिम्मी शेरगिल ने किया है. कहानी मुंबई से शुरू होकर लंदन पहुंचती है. वरुण बाहरवाली के साथ लंदन में एन्जॉय कर रहे होते हैं कि उनकी पत्नी बानी यानि मृणाल उन्हें वहां पहुंचकर सरप्राइज देती है. अब वरुण की परीक्षा यहां शुरू होती है, क्योंकि घरवाली और बाहरवाली एक ही समय प्रेग्नेंट हो गई हैं और दोनों बच्चों के बाप वरुण धवन है. अब और भी चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों की डिलीवरी एक ही अस्पताल में होने जा रही है. वहीं, फिल्म में मनीष पॉल, चंकी पांडे, राकेश बेदी जैसे कलाकार कॉमेडी का तड़का लगा रहे हैं. फिल्म में मौनी रॉय एक्टर वरुण धवन की नकली मां के रोल में नजर आने वाली हैं. वहीं, सोशल मीडिया पर फिल्म का ट्रेलर छा गया है और यूजर्स ने कहा है कि यह फिल्म ब्लॉकबस्टर होने वाली है. है जवानी तो इश्क होना है का निर्देशन खुद वरुण धवन के पिता और दिग्गज फिल्म डायरेक्टर डेविड धवन ने किया है. फिल्म आगामी 5 जून को रिलीज होने जा रही है.

क्या आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही? जानिए इसके 5 संकेत

सनस्क्रीन का इस्तेमाल त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने के लिए किया जाता है। हालांकि, कभी–कभी सनस्क्रीन सही से काम नहीं करती, जिसका अंदाजा ज्यादातर लोगों को नहीं होता। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जिनसे पता चलता है कि आपकी सनस्क्रीन त्वचा की सुरक्षा नहीं कर रही। इन संकेतों को पहचानकर आप अपनी सनस्क्रीन को बेहतर बना सकते हैं और अपनी त्वचा को सूरज की किरणों से सुरक्षित रख सकते हैं।

त्वचा का रंग गहरा होनाः अगर आपकी त्वचा धूप में रहने से सनस्क्रीन लगाने के बाद भी गहरी होती जा रही है तो समझ जाइए कि आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही। इसका मतलब होता है कि आपकी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से सुरक्षा नहीं मिल रही। ऐसे में हमेशा एक अच्छी गुणवत्ता वाली और ज्यादा सुरक्षा देने वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें और इसे हर कुछ घंटों बाद दोबारा लगाएं।

जलन या लालिमा महसूस होना

अगर आपको अपनी त्वचा पर जलन या लालिमा महसूस होती है तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही। अगर आप धूप में रहने के बाद जलन या लालिमा महसूस करते हैं तो तुरंत छाया में जाएं और अपनी सनस्क्रीन को फिर से लगाएं। इस तरह आप अपनी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकते हैं और स्वस्थ रख सकते हैं।

त्वचा का रंग असमान होना

अगर आपकी त्वचा का रंग असमान लग रहा हो, जैसे कि धब्बे या कालापन दिखाई दे रहे हों तो इसका मतलब हो सकता है कि आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही। ऐसी स्थिति में अपनी सनस्क्रीन को बदलें और यह सुनिश्चित करें कि वह आपकी त्वचा के प्रकार के अनुसार हो। अपनी सनस्क्रीन को सही तरीके से लगाएं, ताकि वह पूरी तरह से आपकी त्वचा को ढक सके और उसे सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सके।

समय से पहले झुर्रियां आनाः अगर आप समय से पहले झुर्रियों का अनुभव कर रहे हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही। सूरज की हानिकारक किरणें हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे झुर्रियां जल्दी आती हैं। इसलिए, जरूरी है कि आप अपनी सनस्क्रीन को सही तरीके से लगाएं और नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करें, ताकि आपकी त्वचा युवा और स्वस्थ बनी रहे।

त्वचा का जल जानाः अगर आपको त्वचा का जलना महसूस होता है तो तुरंत अपनी सनस्क्रीन को बदलें। त्वचा पर जलन होने होने का मतलब है कि आपकी पुरानी सनस्क्रीन आपकी त्वचा को सही तरीके से सुरक्षा नहीं दे पा रही थी। हमेशा ज्यादा सुरक्षा देने वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें और इसे हर कुछ घंटों बाद दोबारा लगाएं। इन संकेतों को पहचानकर आप अपनी त्वचा की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकेंगे और सूरज की हानिकारक किरणों से सुरक्षित रख सकते हैं।